राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार6 नवम्बर 2020 वर्ष–3, अंक –281 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मध्यप्रदेश में सुप्रीम कोर्ट ने बागी कांग्रेस विधायको को मंत्री पद से हटाने की याचिका की खारिज

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में कांग्रेस विधायक ने शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई वाली भाजपा सरकार में मंत्री पद जारी रखने के लिए 12 कांग्रेस विधायक जो भाजपा में शामिल हुए, उनको को प्रतिबंधित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। हाल ही में 28 सीटों पर हुए उपचुनाव के बाद इन विधायकों को भाजपा के टिकट पर नए सिरे से चुनाव लड़ने की अनुमति दी गई। सीजेआई एसए बोबडे की अगुवाई वाली तीन न्यायाधीशों वाली पीठ ने जबलपुर (उत्तर) निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) के एक विधायक विनय सक्सेना द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। यह याचिका मार्च में दायर की गई थी, जब कांग्रेस के 22 बागी विधायकों (विचाराधीन 12 विधायकों सहित) के खिलाफ अयोग्यता याचिका मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष के पास लंबित थी। सक्सेना की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने अदालत को सूचित किया कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मार्च में याचिका दायर होने के बावजूद सुनवाई में देरी होने की वजह से इसे खारिज कर दिया। कपिल सिब्बल ने कहा, ÷जिन्हें अयोग्य ठहराया जाना चाहिए था, उनकी अयोग्यता के खिलाफ अदालतों में मामले सुधरने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई है।÷ सुप्रीम कोर्ट में इसी तरह की दलीलों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा ये अकेला मामला नहीं था। गोवा, तमिलनाडु और कर्नाटक में दोषपूर्ण विधायकों के खिलाफ भी ऐसा ही देखा गया।मार्च में राज्य में कमलनाथ सरकार के पतन के कारण भाजपा में शामिल होने के लिए जाने वाले बीसियों विधायकों ने भाग लिया था।

भारत में 20 जनवरी तक आ सकती है कोरोना वैक्सीन, दाम भी होंगे कम

नई दिल्ली। पुणे स्थित फार्मा कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के सीईओ अदर पूनावाला ने बुधवार को कहा कि कोरोना का एक टीका 20 जनवरी तक देश में उपलब्ध होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि यह वैक्सीन सस्ती होगी। हालांकि, इसके लिए समय पर नियामकीय अनुमोदन मिलना जरूरी है। हिन्दुस्तान समूह के अंग्रेजी अखबार मिंट के साथ एक साक्षात्कार में पूनावाला ने कहा, भारत और ब्रिटेन में परीक्षणों की सफलता के आधार पर यदि नियामक निकायों से समय पर मंजूरी मिले तो हम देश में जनवरी 2021 तक वैक्सीन उपलब्ध होने की उम्मीद कर सकते हैं। पूनावाला ने कहा, लोग बिना किसी सुरक्षा चिंता के इसका उपयोग कर सकेंगे।

हालांकि, उन्होंने कहा कि वैक्सीन के दीर्घकालिक प्रभावों का पता लगाने में दो से तीन साल लगेंगे। एसआईआई संभावित कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड का उत्पादन करने के लिए ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और स्वीडिश फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका के साथ मिलकर काम कर रहा है। कोविशील्ड वर्तमान में देश में दूसरे और तीसरे चरण के नैदानिक परीक्षण में है। निम्न और मध्यम आय वाले देशों के लिए एसआईआई द्वारा इसका उत्पादन किया जाएगा। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल द लैंसेट में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, संभावित कोविड-19 वैक्सीन ने 18 से 55 वर्ष की आयु के लोगों में दोहरी प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न की। एस्ट्राजेनेका और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने कहा है कि दो-खुराक वाले टीके ने एकल खुराक वाले टीके से अधिक अच्छी प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया दी है।

मूल्य निर्धारण को लेकर बातचीत जारी-दुनिया की सबसे बड़ी दवा उत्पादक फर्म के सीईओ पूनावाला ने कहा कि कंपनी वैक्सीन के मूल्य निर्धारण को लेकर सरकार के साथ बातचीत कर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि इसे उचित मूल्य पर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा, हम निश्चित हैं कि यह सभी के लिए सस्ती होगी। एसआईआई का लक्ष्य लगभग 6-7 करोड़ खुराक का निर्माण करना है, और इसे प्रति माह वैक्सीन की 10 करोड़ खुराक तक बढ़ाना है। कंपनी ने भारत और अन्य देशों के लिए टीके के विनिर्माण और वितरण की प्रक्रिया को तेज करने के लिए गावी, वैक्सीन एलायंस और बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के साथ साझेदारी की है।

TRP मामले पर सूचना प्रसारण मंत्रालय ने गठित की समिति, 2 महीने में केंद्रीय मंत्री को सौंपेगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने टेलीविजन रेटिंग एजेंसीज के लिए मौजूदा दिशा-निर्देशों की समीक्षा करने के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की है। यह समिति मौजूदा समय में हुए सारे हुए बदलावों, आधुनिक तकनीक और टेलीविजन उद्योग के बदलावों की समीक्षा करते हुए दो महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सूचना प्रसारण मंत्री को सौंपेगी।

टेलीविजन रेटिंग एजेंसीज को लेकर हाल में उठे विवादों को देखते हुए सूचना प्रसारण मंत्रालय ने एक अहम फैसले में सारी प्रक्रिया की समीक्षा कर दिशानिर्देशों को ज्यादा पारदर्शी जवाबदेह और सटीक बनाने के लिए बड़ी पहल की है। मंत्रालय ने टेलीविजन रेटिंग एजेंसी के मौजूदा दिशा निर्देशों, संसदीय समिति की सिफारिशों, टीआरपी कमेटी की अनुशंसाओं की समीक्षा करने का फैसला किया है। इसके लिए गठित समिति के अध्यक्ष प्रसार भारती के सीईओ शशि एस वेम्पटी होंगे।

समिति में आईआईटी कानपुर के प्रो सुभाष, सी डॉट के कार्यकारी निदेशक राजकुमार उपाध्याय और सीपीपी के प्रोफेसर पलक घोष सदस्य होंगे। समिति तकनीकी, कानूनी और व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ सारे परिदृश्य की समीक्षा करेगी। समिति कोई अधिकार होगा कि वह विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से भी परामर्श ले सकती है। समिति को दो माह के भीतर अपनी रिपोर्ट सूचना मंत्री को सौंपी होगी।

टेलीविजन रेटिंग एजेंसीज को लेकर हाल में उठे विवादों को देखते हुए सूचना प्रसारण मंत्रालय ने एक अहम फैसले में सारी प्रक्रिया की समीक्षा कर दिशानिर्देशों को ज्यादा पारदर्शी जवाबदेह और सटीक बनाने के लिए बड़ी पहल की है। मंत्रालय ने टेलीविजन रेटिंग एजेंसी के मौजूदा दिशा निर्देशों, संसदीय समिति की सिफारिशों, टीआरपी कमेटी की अनुशंसाओं की समीक्षा करने का फैसला किया है।

एनबीए ने सरकार से सीबीआई जांच वापस लेने का किया था अनुरोध

न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एसोसिएशन (एनबीए) ने सरकार से टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट्स (टीआरपी) में किए गए कथित फर्जीवाड़े की सीबीआई जांच वापस लेने का शनिवार को अनुरोध किया था। एनबीए ने कहा कि जांच जिस गति से रातोंरात सीबीआई को हस्तांतरित कर दी गई, उससे इसके पीछे के इरादे पर संदेह पैदा होता है। एसोसिएशन ने एक बयान में, कथित टीआरपी फर्जीवाड़ा को लेकर मीडिया के खिलाफ उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी पर गंभीर चिंता प्रकट की है।

एनबीए ने कहा, जांच जिस गति से रातोंरात सीबीआई को हस्तांतरित कर दी गई,उससे इसके पीछे के इरादे पर संदेह पैदा होता है। एक ऐसे व्यक्ति ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई, जिसका कोई अधिकार नहीं बनता है और उसका यह कदम मीडिया, इसे विज्ञापन देने वालों और विज्ञापन एजेंसियों को चुनिंदा तरीके से निशाना बना सकता है।

सितंबर के मुकाबले अक्टूबर में घटने लगीं नई वैकेंसी

नई दिल्ली। देश में कोरोना महामारी के दौरान हुए अनलॉक में पिछले महीने नई नौकरियों की तादाद घट गई है। नेशनल करियर सर्विस पोर्टल में रजिस्टर की गई महीनेवार एक्टिव वैकेंसी के आंकड़ों में सितंबर के मुकाबले अक्टूबर में करीब 60 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई है। सरकारी पोर्टल पर सितंबर महीने में देश भर में 73,416 एक्टिव वैकेंसी जुड़ी थी। जबकि अक्टूबर में ये आंकड़ा घटकर 28,618 पर आ गया है। इसके अलावा पिछले महीनों की एक्टिव महीनों में भी कमी दर्ज की गई है।

पिछले महीनों की भी मिलाकर सितंबर में इस वित्त वर्ष की कुल ऐक्टिव वैकेंसी 1.68 लाख थी जो अक्टूबर में घटकर 69,263 हजार हो गई है। नई नौकरियों के मामले में अलग अलग राज्यों में भी हालात पहले के मुकाबले काफी बदल गए हैं।

राज्यों में घटी नौकरियां

बिहार में सितंबर में 203 नौकरियां नई नौकरियां थी वहीं अक्टूबर में नई एक्टिव नौकरियां 107 जुड़ी हैं। झारखंड में सितंबर में 338 के मुकाबले अक्टूबर में 10 नई पोस्ट आई। हरियाणा में 1378 के मुकाबले 421तो उत्तर प्रदेश में 974 के मुकाबले 957 एक्टिव नौकरियां पोस्ट की गईं। उत्तराखंड में 18 के मुकाबले 4 ही नई रिक्तियां आईं।

यहां बढ़ीं नौकरियां

दिल्ली में सितंबर में 595 के मुकाबले अक्टूबर में 973 नई नौकरियां आ गई हैं। वहीं राजस्थान में 185 के मुकाबले 342 नई रिक्तियां आईं। श्रम मंत्रालय से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इन नौकरियों के आंकड़ों में आई कमी के पीछे या तो रिक्तियां भरना वजह हो सकती है या फिर नियोक्ता को अब जरूरत नहीं होगी। इस पोर्टल के जरिए देश भर में 1.03 करोड़ लोग नौकरियां मांग रहे हैं। वहीं 57,741 नियोक्ता अपनी जरूरतों के लिए लोगों को नौकरी पर रख रहे हैं। यहां कृषि, वित्त और इंश्योरेंस, रियल एस्टेज समेत 22 कैटेगरी में नौकरियां दर्ज हैं।

बिहार चुनाव का तीसरा चरण कांग्रेस के लिए कैसे है सबसे बड़ी चुनौती?

जानें सीटों का अंकगणित

पटना। विधानसभा चुनाव का अंतिम चरण कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती है। इस चरण में पार्टी के आधे निवर्तमान विधायकों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। पिछले चुनाव में पार्टी ने 27 सीटों पर चुनाव जीता था। लेकिन उसकी चार सीटिंग सीटें सहयोगी दलों के खाते में चली गई। लिहाजा पार्टी के खाते में जो 70 सीटें इस बार आई हैं उनमें 23 ही सीटिंग हैं। उनमें सबसे ज्यादा 11 सीटों का चुनाव इसी चरण में है।

तीसरे चरण के चुनाव में कांग्रेस के 26 उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव में कोसी-सीमांचल में अल्पसंख्यक बहुल सीटें कांग्रेस के पास ज्यादा हैं। पार्टी ने इन क्षेत्रों से नौ मुस्लिम उम्मीदवारों को उतारा है। इन नौ उम्मीदवारों में छह ऐसे हैं जो 2015 में चुनाव जीत कर सदन तक पहुंचे थे। तीन नए चेहरों को टिकट दिया है। इन क्षेत्रों में ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन भी चुनाव मैदान में है। लिहाजा कांग्रेस के लिए इन सीटों को फिर से अपने कब्जे में रखना बड़ी चुनौती है। पार्टी की सीटिंग सीटों में से नरकटियागंज, रीगा, बेनीपट्टी, अररिया, बहादुरगंज, किशनगंज, अमौर, कस्बा, कदवा, मनिहारी और कोढ़ा पर चुनाव तीसरे चरण में होना है। पिछले विधानसभा चुनाव से इसबार का समीकरण कुछ अलग है। 2015 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस, राजद और जदयू साथ मिलकर लड़े थे। अधिसंख्य सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों के सामने थे भाजपा के उम्मीदवार तो कुछ पर लोजपा के प्रत्याशियों से भी टक्कर हुई थी। लिहाजा कांग्रेस का स्ट्राइक रेट 64 प्रतिशत था। 41 में 27 सीटें इस पाटी ने जीत ली थी। लेकिन इस बार का चुनावी परिदृश्य कुछ अलग है। भाजपा तो कांग्रेस के सामने है ही जदयू भी उसके साथ विरोध में खड़ी है।

इसके अलावा पिछले चुनाव में भाजपा के साथ मिलकर मैदान में उतरने वाली लोजपा और रालोसपा भी अलग से मैदान में खड़ी है। पिछली बार जीती हुई पांच सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवारों की टक्कर भाजपा से है। एक सीट पर हम पार्टी और एक पर वीआईपी के उम्मीदवार सामने हैं। लेकिन शेष पांच सीटों पर पिछले चुनाव के दोस्त जदयू के उम्मीदवार से कांग्रेस के निवर्तमान विधायकों की टक्कर है।

मध्य प्रदेश उपचुनाव में भारी मतदान डाल सकता है समीकरण पर असर

नतीजों पर टिका है शिवराज सरकार का भविष्य

भोपाल। देश के विभिन्न हिस्सों में हुए विधानसभा उपचुनावों में कोरोना महामारी के बीच भारी मतदान से राजनीतिक प्रक्रिया तो मजबूत हुई है, लेकिन इससे विभिन्न दलों के राजनीतिक समीकरण प्रभावित हो सकते हैं। सबसे अहम मध्य प्रदेश के उपचुनाव हैं, जिन पर राज्य सरकार का भविष्य टिका है। यहां पर लगभग 70 फीसदी मतदान दर्ज किया गया है। झारखंड और गुजरात में भी अच्छा मतदान हुआ है, लेकिन उत्तर प्रदेश में अपेक्षाकृत यह कम रहा है। आमतौर पर उपचुनाव में कम मतदान देखा जाता है और उपचुनाव के नतीजे ज्यादातर सत्ताधारी दलों के पक्ष में जाते हैं। इस बार मध्य प्रदेश के उपचुनाव अलग परिस्थितियों में हो रहे हैं और इन पर राज्य सरकार का भविष्य दांव पर है। कांग्रेस से बड़ी संख्या में विधायकों के इस्तीफा देने से वहां पर विधानसभा का अंकगणित प्रभावित हुआ था और कमलनाथ सरकार के पतन और भाजपा की शिवराज सरकार का गठन का रास्ता प्रशस्त हो गया था। अब इन सीटों पर चुनाव हुए हैं और भाजपा ने कांग्रेस और विधायक से इस्तीफा देने वाले नेताओं को अपने टिकट पर चुनाव मैदान में उतारा है। दल बदल के आरोपों में घिरे इन नेताओं को फिर से जिताना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती है, वहीं कांग्रेस इनको कठघरे में खड़ा कर सत्ता में अपनी वापसी की प्रतीक्षा कर रही है। यही वजह है कि दोनों दलों ने उपचुनाव में विधानसभा के पूर्ण चुनाव की तरह ही ताकत झोंकी और मतदान भी भारी हुआ। ज्यादा मतदान को लेकर हर दल के अपने आंकड़े हैं। कांग्रेस इसे शिवराज सरकार के खिलाफ मान रही है, वहीं भाजपा का दावा अपने समर्थन में मतदान का है।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति जागरूकता दिखी-गुजरात में 58 फीसदी से अधिक मतदाताओं ने वोट दिए। हालांकि, इनसे राज्य सरकार पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा, लेकिन मतदान के प्रतिशत से भाजपा को काफी उम्मीदें हैं। झारखंड में दो सीटों के उपचुनाव में लगभग 65 वोट पड़े हैं। दोनों सीटों के नतीजों से राज्य सरकार अप्रभावित रहेगी। उत्तर प्रदेश में अपेक्षाकृत कम मतदान हुआ है, वहां पर लगभग 53 फीसदी से कुछ ज्यादा ही मतदान हुआ है। ऐसे में राजनीतिक विश्लेषक इसे सत्ता पक्ष के लिए लाभ की स्थिति मान रहे हैं। इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि कोरोना महामारी के बीच में मतदाताओं का इतनी बड़ी संख्या में बाहर आना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति लोगों की जागरूकता को दर्शाता है।

येदियुरप्पा सरकार के सर्वे में हुआ खुलासा-

कर्नाटक में करीब दो करोड़ लोग कोरोना संक्रमित

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार के एक सर्वेक्षण के आधार पर दावा किया गया है कि 16 सितंबर तक राज्य में कम से कम 1.93 करोड़ (27.3 प्रतिशत) लोग कोरोना वायरस से या तो संक्रमित हो चुके हैं या संक्रमित हैं। सरकार ने यह सर्वेक्षण राज्य में कोविड-19 के प्रसार का अंदाजा लगाने के लिए कराया है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. के सुधाकर ने कहा कि यह सर्वेक्षण राज्य के 30 जिलों में 3 से 16 सितंबर के दौरान किया गया। सुधाकर के मुताबिक राज्य सरकार यह पता लगाना चाहती थी कि कोविड-19 किस गति से फैल रहा है।

मंत्री ने कहा कि सरकार के पास यह स्पष्ट जानकारी होनी चाहिए कि यह जिलों में संक्रमण किस तरह से फैल रहा है और इसके प्रसार को कैसे रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में नमूनों का आकार 16,585 था। इनमें से 15,624 की जांच रिपोर्टों को जमा कराया गया है। रैपिड एंटीजन परीक्षण और आरटी पीसीआर के साथ-साथ आईजीजी जांच भी कराई गई थी। सर्वेक्षण में पाया गया कि कोविड-19 के कारण मृत्यु दर 0.05 प्रतिशत है।

दिल्ली, बंगाल,केरल और मणिपुर में कोरोना मामले बढ़े-केंद्र

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि 3 अक्तूबर और 3 नवंबर के बीच केरल, दिल्ली, पश्चिम बंगाल और मणिपुर में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़े हैं। इसी अवधि में महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश ऐसे शीर्ष राज्यों में रहे जहां कोविड-19 के मामलों में गिरावट दर्ज की गई। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि पिछले सात हफ्ते से रोजाना कोविड-19 के औसतन मामलों और मौत की संख्या में गिरावट आने का सिलसिला लगातार जारी है। इस कारण से स्वास्थ्य तंत्र पर अनावश्यक बोझ नहीं पड़ा है, अस्पतालों पर दबाव कम हुआ है। उन्होंने कहा कि देश में 16 सितंबर से 22 सितंबर के बीच रोजाना औसतन 90,346 मामले आए,

ज्यादा प्रदूषण वाले पटाखों के इस्तेमाल पर लगेगी रोक, योगी सरकार तैयार कर रही गाइडलाइन्स

लखनऊ। दीपावली पर पटाखों के इस्तेमाल के बारे में प्रदेश सरकार विस्तृत गाइडलाइन जारी करने की तैयारी कर रही है। इसमें ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों के इस्तेमाल पर रोक लगाई जा सकती है। चीनी पटाखों की बिक्री भी प्रतिबंधित की जा सकती है। इस बीच डीजीपी एचसी अवस्थी ने पटाखों की अवैध बिक्री रोकने तथा सुरक्षित स्थानों पर ही इसकी बिक्री की अनुमति देने का निर्देश दिया है।

कोविड-19 के प्रकोप के बीच प्रदूषण के कारण होने वाली स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को देखते हुए शासन स्तर पर गंभीर विचार-विमर्श चल रहा है। इसमें पटाखों के अंधाधुंध प्रयोग की स्थिति में होने वाली दिक्कतों पर खास चर्चा की गई है। इसके साथ ही एनजीटी के दिशा-निर्देशों पर भी मंथन किया गया है। एनजीटी के निर्देशों के आधार पर प्रयोग किए जाने वाले पटाखों की श्रेणी तय की जा सकती है। इसमें ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों का प्रयोग रोकने की तैयारी है। तेज आवाज वाले पटाखों के बारे में पहले से गाइड-लाइन बनी हुई है।

अवैध पटाखा निर्माताओं पर कार्रवाई के निर्देश

पटाखों के बारे में जारी सर्कुलर में डीजीपी ने कहा है कि राजस्व आसूचना निदेशालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार वैध लाइसेंस धारकों को ही आतिशबाजी सामग्री विदेशों से आयात करने की अनुमति है। इस तरह बिना लाइसेंस के अवैध आयात को रोका जाएगा। सभी आतिशबाजी कम्पनियों को विस्फोटक अधिनियम 2008 के नियम 84 के तहत अधिकृत किया जाएगा। अवैध रूप से संचालित आतिशबाजी निर्माताओं के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। डीएम की तरफ से जारी अस्थायी लाइसेंसधारक द्वारा अनुमति के आधार पर भारत निर्मित पटाखों की बिक्री की जाएगी।

डीजीपी ने कहा है कि पटाखों की दुकानों को अस्थाई रूप से लाइसेंस देने के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई की जाए। जिला प्रशासन यह भी देख ले कि दुकानें कहां लगेंगी। पटाखों की दुकानों के पास आवश्यक अग्निरोधक उपाय जरूर किए जाएं। पटाखों के भंडारण पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। पटाखों की बिक्री और भंडारण के स्थान पर अग्निशमन की समुचित व्यवस्था जरूर हो।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

विरोध की राजनीति

न तो ये सामान्य दिन हैं और न ही सामान्य हालात। ऐसे में, कम-से-कम राजनेताओं से यह उम्मीद तो की ही जाती है कि वे वक्त की नजाकत को समझेंगे और सामान्य दिनों वाली राजनीति से बाज आएंगे। दुर्भाग्य से, पूरे देश में यही नहीं हो रहा। मार्च में लॉकडाउन के बाद भले ही कुछ दिन राजनीतिज्ञों ने अपने पिटारे बंद रखे हों, लेकिन अब ये पिटारे फिर पहले की तरह खुल गए हैं। बुधवार को दिल्ली के राजघाट पर पंजाब के मुख्यमंत्री ने जो धरना दिया, वह इसी तरह की राजनीति का सबसे बड़ा उदाहरण है। पंजाब सरकार ने इस संकल्प के साथ कमर कस ली है कि वह केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए नए कृषि कानूनों का विरोध करने का कोई अवसर नहीं छोड़ेगी। पहले उसने इन केंद्रीय कानूनों को धता बताने वाले विधेयक तैयार किए और अब उन्हें कानून बनवाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। इसी सिलसिले में मुख्यमंत्री एक प्रतिनिधिमंडल के साथ दिल्ली आकर राष्ट्रपति से मिलना चाहते थे कि उन्हें जल्द स्वीकृति दी जाए। राष्ट्रपति भवन ने इस तर्क के साथ उन्हें मिलने का समय नहीं दिया कि राज्य विधानसभा द्वारा पारित ये विधेयक अभी राज्यपाल के ही पास हैं और उन तक नहीं पहुंचे हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने राजघाट पर अपने विधायकों के साथ रिले धरना शुरू कर दिया। पंजाब विधानसभा में पारित किए गए ये विधेयक कांग्रेस के लिए राजनीतिक रूप से अहम हैं, क्योंकि इसके बाद इसी तर्ज पर उसकी सरकारों ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी बढ़ना शुरू कर दिया है। पंजाब के इन विधेयकों के साथ अब जो सुलूक होगा, बाकी दोनों राज्यों की विधानसभाओं में पारित विधेयक भी उन्हीं अनुभवों से गुजरने को बाध्य होंगे। केंद्र सरकार ने जो कृषि कानून पास किए हैं और पंजाब सरकार ने उनके खिलाफ जो विधेयक पास किए हैं, उनकी खूबियों और खामियों पर बहस काफी हो चुकी है, लेकिन फिलहाल मसला यह है कि इसके साथ ही राज्य बनाम केंद्र के टकराव की एक नई इबारत लिख दी गई है। यह अब एक तरफ कांग्रेस व उसकी राज्य सरकारों और दूसरी तरफ केंद्र सरकार के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन चुका है, इसलिए इस मामले में ऐसी ही राजनीति होगी, यह पहले से तय था। कांग्रेस को खुद को किसान समर्थक बताने का एक जो अवसर मिला है, वह उसे फिलहाल किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ना चाहेगी। इसके दूसरे सिरे पर भाजपा और केंद्र सरकार है, जिनके पास अपने दावे हैं और वे भला इस अवसर को क्योंकर छोड़ेंगी? उधर पंजाब में किसान संगठनों का रेल रोको धरना जारी है। वे केंद्र सरकार के कानूनों से तो नाराज हैं ही, साथ ही, पंजाब सरकार द्वारा की गई जवाबी कोशिशों से भी ज्यादा संतुष्ट नहीं हैं। इस धरने के कारण ही पंजाब में ट्रेनों का आवागमन रुक गया है और रेलमार्ग द्वारा पहुंचाई जानी वाली आवश्यक वस्तुएं भी पंजाब व आगे के राज्यों में नहीं पहुंच पा रही हैं। इन धरनों में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए दिए गए दिशा-निर्देशों का भी कहीं भी पालन नहीं हो रहा है। अब जब मुख्यमंत्री खुद धरने पर हैं, तो वह इन किसानों से धरना खत्म करने की बात भला किस मुंह से करेंगे। किसी के भी विरोध करने के अधिकार से इनकार नहीं है, लेकिन हालात को देखते हुए अगर इसके कुछ सुरक्षित तरीके खोजे जाते, तो बेहतर होता।

विकास के विफल मॉडल की देन दिल्ली संकट

- डॉ. राकेश राणा

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में घुसते ही आसमान में मंडराते चील-कौए-बाज आपका स्वागत करते मिलेंगे। बढ़ती जनसंख्या, बेतहाशा शहरीकरण और अंधाधुंध औद्योगिकीकरण ने दिल्ली के पर्यावरण को उसके पूरे पारिस्थितिकीय तंत्र को ध्वस्त कर दिया है। दिल्ली में मूलभूत समस्याओं आवास, यातायात, पानी व बिजली इत्यादि से निपटना अब चुनौती बन चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली का प्रदूषण के मामले में चौथा स्थान है दुनिया में। दिल्ली के प्रदूषण का 30 प्रतिशत औद्योगिक इकाइयों के कारण है तो 70 प्रतिशत वाहनों के कारण। दुनिया में जो 20 सबसे प्रदूषित शहर हैं उनमें 13 भारत के हैं और उनमें भी राजधानी दिल्ली सबसे ऊपर है। शहरों के विकास को लेकर सरकारों की गंभीरता इसी से समझी जा सकती है कि विकास अधिनियम 1951 में बनता है जिसके दिशा-निर्देशों के अंतर्गत 1962 का मास्टर प्लान दिल्ली के लिए अस्तित्व में आया। उसके अमल में लाने और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की कल्पना को ठोस रूप प्रदान करने के लिए संस्थागत ढांचा विस्तार चाहता है। जिसके लिए राष्ट्रीय राजधानी प्लानिंग बोर्ड का गठन फरवरी 1985 को हुआ। यह गठन-संगठन की कवायद आजादी के बाद लगभग आधी सदी बीत जाने तक चलती रही। यह गठित बोर्ड राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना-2001 लेकर आया। योजना के केन्द्र में आर्थिक गतिविधियां और आवास व्यवस्था के विस्तार तथा प्रबंधन पर जोर था। जिसे जनसंख्या का उमड़ता सैलाब बनते-बनते बहा ले गया। एक अध्ययन के अनुसार दिल्ली की जनसंख्या प्रति वर्ष 4 लाख बढ़ जाती है। राजधानी दिल्ली की सड़कों पर वाहनों की संख्या मार्च 2018 तक बढ़कर 1.09 करोड़ हो गयी है। वही दिल्ली में आसपास के क्षेत्रों में पंजीकृत वाहनों की संख्या भी दिल्ली को सीधे तौर पर प्रभावित कर रही है। दिल्ली के हालात भयावह परिदृश्य बना रहे हैं। दिल्ली दूषित हवाओं का समन्दर बन चुकी है। प्रमुख चिकित्सा संस्थानों के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2017 में दिल्ली में कैंसर से 5,162, टी.बी. से 3,656 और मधुमेह से 2,561 लोगों की मौत हुई है। यहां सांस की बीमारियां प्रतिदिन औसतन 27 दिल्ली वालों की मौत का कारण बन रही है। 2017 में ही श्वसन-तंत्र तथा इंट्रा-थोरैसिक अंगों के कैंसर के कारण दिल्ली में 551 लोगों की मौत हुई। जबकि साँस से संबंधित अन्य बीमारियों एवं संक्रमण की वजह से एक साल में 9,321 लोग मरे। इसके अलावा रिपोर्ट में दिल्ली वालों को दूषित हवा ही नहीं, विषाक्त भोजन और पानी भी उनके जीवन को लील रहा है। परिणाम गत दो वर्षों में पांच लाख से अधिक डायरिया के मरीज सामने आये हैं। सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों के आंकड़ों के अनुसार 2018-2019 के दौरान डायरिया के 5,14,052 मरीज अस्पतालों में इलाज के लिये पहुंचे हैं। वहीं स्वास्थ्य केन्द्रों में पहुंचने वाले मधुमेह रोगियों की संख्या 3,27,799 रही। ब्लड प्रेशर के मरीज 3,11,396, मियादी बुखार टाइफाइड के 51,266 गंभीर रोगी अस्पतालों में भर्ती किये गये। रिपोर्ट के मोटे अनुमान से पता चलता है कि दिल्लीवासी अपनी आय का लगभग 10 प्रतिशत अपनी बिमारियों पर खर्च कर रहे हैं। इस परिदृश्य की व्यापक पृष्ठभूमि में प्रदूषण का मुख्य हाथ है। दिल्ली की वायु-गुणवत्ता नाजुक स्थिति में पहुंच चुकी है। नजीजतन प्रदूषण प्रतिदिन दिल्ली में औसतन 80 लोगों की जान ले रहा है। सी.एस.ई. की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में अधिकतर मौतें दिल की बीमारी और स्ट्रोक के कारण हो रही हैं। जिसकी बड़ी वजह दिल्ली का प्रदूषण है। यहां हवा में पार्टिकुलेट मैटर पीएम 2.5 की मात्रा प्रति घन मीटर 150 माइक्रोग्राम है। जो कि देश में निर्धारित सीमा का चार गुना और डब्ल्यू.एच.ओ. की तय सीमा का 15 गुना है। थ्री-डी स्कैनिंग तकनीक से लिया गया एक अनुमान बताता है कि दिल्ली में गैरकानूनी रूप से 5,57000 टन नगरीय ठोस कचरा सड़कों के किनारे और खाली पड़े भूखंडों पर पड़ा रहता है। एसोचैम का अध्ययन कहता है कि दिल्ली एनसीआर में हर साल 5,900 टन मेडिकल कचरा पैदा होता है। इसके अलावा ई-वेस्ट की भारी मात्रा महानगरों की गंभीर समस्या है। इस ठोस कचरे के 83 प्रतिशत हिस्से का प्रबन्धन ही जमीन के अन्दर भराव के माध्यम से हो पाता है। इसमें 38,000 टन प्लास्टिक और 55,000 टन निर्माण क्षेत्र से पैदा हुआ कचरा तथा 87,00 टन काँच के टुकड़े एवं 4,55000 टन अन्य स्रोतों से पैदा हुआ कचरा गंभीर समस्या है। दिल्ली में प्रतिवर्ष पैदा होता है करीब 40 लाख टन कचरा जिसमें तेजी से वृद्धि हो रही है। यहां हर साल कचरे में दो फीसदी की वृद्धि दर्ज हो रही है। यह कचरा हवा, पानी व खाद्य पदार्थों को जहरीला बनाने में बड़ा गुनाहगार है और उससे भी बड़े गुनाहगार इस कचरे को पैदा करने वाले लोग। कचरे का इतने बड़े स्तर पर पैदा होना किसी भी विकासशील सभ्य समाज के तिए अच्छा संकेत नहीं है। संसाधनों का क्षय, बिगड़ता पारिस्थितिकीय संतुलन, विकास का पिछड़ापन, असुरक्षा, गरीबी, अभाव आदि इस तरह की तमाम समस्याओं के लिए एक वैश्विक मॉडल और क्षेत्रीय दृष्टिकोण विकसित करना आवश्यक है। शिक्षाविदों, शोधार्थियों स्वयंसेवी संगठन, संचार माध्यमों के द्वारा एक शांतिपूर्ण, सह-अस्तित्व और सहकार वाली क्षेत्रीय भावना का वातावरण बने, जिससे सतत् विकास की संस्कृति का स्फुरण हो सके और पूरी पारिस्थितिकीय व्यवस्था समग्रता में पल्लवित होकर स्थापित हो सके। शिक्षा, स्वास्थ्य, क्षेत्रीय पर्यटन तथा व्यवासयिक समूहों के तालमेल से क्षेत्रीय स्तर के सहयोग द्वारा सुलभ व्यवस्था बनायी जा सकती है। ईमानदार प्रयास से व्यक्ति-व्यक्ति के बीच तैयार की गयी क्षेत्रीय सहयोग की कड़ी और दृष्टिकोण इस दिशा में एक निर्णायक तत्व बन सकता है। जो सतत् विकास नीतियों की सफलता की शुभाकांक्षा के लिए श्रृंखला के तौर पर विकसित की जा सकती है। सार्वजनिक यातायात व्यवस्था बनाने की हरसंभव कोशिश करनी होगी। ताकि आम आदमी अपने वाहनों के उपयोग की बजाय सार्वजनिक यातायात की ओर आकृष्ट हो। व्यक्तिगत वाहनों का उपयोग कम से कम करें। विश्व के अधिकांश विकसित देशों में ऐसी व्यवस्था काफी समय से प्रचलन में है। परिणामतः उन देशों ने प्रदूषण की समस्या पर नियंत्रण पाया हुआ है। सार्वजनिक यातायात साधन की समुचित व्यवस्था और उसका सुचारू संचालन तथा एक समग्र सतत् समझ धीरे-धीरे समाज में एक पारिस्थितिकीय पोषण की संस्कृति विकसित करने में मदद करेगी। लाइफ-स्टेटस के लिए व्यक्तिगत वाहनों, संसाधनों और सम्पत्ति संग्रहण तथा उपभोग की भारतीय मानसिकता से समाज को ऊपर उठने के अभ्यास करने ही होंगे। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का इस्तेमाल गर्व से करें, देश बनाने में सहयोग करें, सच्चा और सकारात्मक राष्ट्रवाद तभी आ पायेगा। आपका यह जागरूक व्यवहार न सिर्फ राष्ट्र के निर्माण में सहयोगी बनेगा बल्कि आनेवाली पीढ़ियों और आप अपने बच्चों को प्रदूषण-मुक्त, स्वच्छ-सुन्दर शहर और स्वस्थ देश भी हम सौंप सकेंगे।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज के ट्वीट

ज्ञान

अमरीका अपने राष्ट्रपति चुनाव में वोटों की ठीक से गिनती भी नहीं कर सकता बल्कि कश्मीर मुद्दे पर भारत को ज्ञान दे सकता है

-- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

ज्ञान गंगा

सेवा कार्य

श्रीराम शर्मा आचार्य

सेवा ऐसा कार्य है जो लगता तो सामान्य, छोटा और कुछ लोगों की दृष्टि से ओछा भी पर वस्तुत- सही मायने में व्यक्तियों के व्यक्तित्व को सुगढ़ बनाने, परिमार्जित करने और तप तितिक्षा के लिए तैयार करने में आधार का काम करता है। संत विनोबा, गांधी जी, मदर टेरेसा आदि पुण्यात्मा सेवा कार्य को आजीवन करते रहे। वे समझते थे सेवा की महत्ता को। सेवा कार्य आत्मा की आवश्यकता का पोषण है। उसको निरंतर और निर्बाध गति से करते रहना इसलिए आवश्यक है कि हम जीवित रहें, हमारी आत्मा और उसकी सुरुचि जीवित रहे। किसी पर एहसान करने के लिए, दूसरों के सहायक और उपकारी बनने के लिए, अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने के लिए भी नहीं। सेवा का प्रयोजन आत्मा की गरिमा को अक्षुण्ण रखने और उसका जीवन साधन जुटाए रखने के लिए है। इसलिए इसे करते रहना चाहिए। ऐसा सोचना उचित नहीं कि मैंने इतना तो कर लिया, क्या अब सदा ही करता रहूंगा? जो सेवा की आवश्यकता और महत्ता को समझता है, उसे उससे कभी भी ऊब नहीं आती। जो ऊबता हो समझना चाहिए, अभी उसे सेवा का रस नहीं आया। जब एक बार उस परम धर्म का रसास्वादन कर लिया जाता है, तो उसे छोड़ सकना संभव नहीं होता। फूलों में कैसा रस है, इसे मधुमक्खी जानती है और वह जन्म से लेकर मरण पर्यत अनवरत रूप से उसी मधुरिमा में निमग्न रहती है। न थकती है, न ऊबती है, और कभी यह नहीं सोचती कि इतना लंबा समय मधु संचय के प्रयोजन में लग गया, अब कोई धंधा ढूंढेंगे, विश्राम करेंगे। वह ऐसा इसलिए नहीं सोच सकती कि उसकी अंतरात्मा उस क्रियाकलाप की गरिमा को समझी ही नहीं, स्वीकार भी कर चुकी है। भ्रमर का आशय और कहां है? पराग से विमुख होकर वह और क्या खोजे? तितली को अपने सौंदर्य के समतुल्य पुष्प के अतिरिक्त और कुछ दीखता ही नहीं। आखिर, वह जाए भी कहां? बैठे भी कहां? करे भी तो क्या? जिनका दृष्टिकोण उत्कृष्टता का अभ्यस्त हो गया, उन्हें निकृष्टता की दुर्गध में श्वास ले सकना संभव भी नहीं है। सेवा धर्म छोड़कर अन्यत्र आत्मा की गरिमा के अतिरिक्त और कोई कार्य है भी तो नहीं।

आज का राशिफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

कहीं समस्या न बन जाये समाधान

दीपिका अरोड़ा

वायु प्रदूषण फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ा रुख़ दिखाते हुए केंद्र सरकार एक नया अध्यादेश लेकर आई है। विधि और न्याय मंत्रालय द्वारा जारी अध्यादेश के तहत पूर्व पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम और नियंत्रण) प्राधिकरण को निरस्त करते हुए राजधानी दिल्ली एवं पड़ोसी राज्यों में उचित वायु गुणवत्ता प्रबन्धन हेतु आयोग का गठन किया जाएगा। 28 अक्तूबर, 2020 को जारी अध्यादेश पर माननीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा स्वीकृति की मोहर लगा दी गई। इसमें अध्यक्ष समेत दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान के प्रतिनिधि सहित कुल 18 सदस्य होंगे, जिनकी नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाएगी। आयोग के पास मामलों का स्वतः संज्ञान लेने, शिकायतों पर सुनवाई, आदेश जारी करने का अधिकार होगा। किसी प्रावधान, नियम, निर्देश अथवा आदेश का पालन न करना दंडनीय अपराध होगा जिसके तहत 5 वर्ष का कारावास या 1 करोड़ का जुर्माना अथवा दोनों हो सकते हैं। इसे एक शक्तिशाली कमीशन के रूप में देखा जा रहा है। न केवल दिल्ली अथवा एन.सी.आर. अपितु पड़ोसी राज्य भी इसके प्रभावाधीन रहेंगे। भले ही पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण के लिए सारा दोष किसानों के मत्थे मढ़ा जाता रहा हो लेकिन रिपोर्ट बताती है कि दिल्ली एवं आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण का मूल कारण वाहनों एवं औद्योगिक संयंत्रों द्वारा उत्सर्जित धुआं भी है। किंतु इस सत्य को भी नहीं नकार सकते कि पराली जलाने से प्रदूषण बढ़ता है। पंजाब की ही बात करें तो प्रति वर्ष अक्तूबर एवं नवंबर माह में उत्पादित क़रीब 200 लाख टन पराली में से लगभग 105 लाख टन आग की भेंट चढ़ जाती है। सरकारी योजनाओं, सब्सिडी घोषणाओं तथा जागरूकता कैंपों के आयोजन से भी पराली निस्तारण का कोई ठोस व उचित समाधान संभव नहीं हो पाया, बल्कि कोरोना काल में आर्थिक विवशता अथवा श्रमिक अनुपलब्धता के चलते पिछले दो वर्षों की अपेक्षा पराली जलाने के मामले कई गुणा बढ़े हैं। सेटेलाइट रिपोर्ट के अनुसार जहां गत वर्ष 21 सितंबर से 24 अक्तूबर के बीच 1744 मामले आए थे वहीं इस बार 12057 मामले प्रकाश में आए। पराली जलाने का एक बड़ा कारण हैप्पी सीडर या सुपर सीडर जैसे आधुनिक तकनीकी यंत्रों का महंगा होना है। पराली नष्ट करने में 12 से 15 लीटर प्रति एकड़ तथा खेत जोतने में 4 से 5 लीटर प्रति एकड़ डीज़ल की ख़पत होती है, जिसका ख़र्चा उठा पाना छोटे किसानों के लिए संभव नहीं। पराली जलाने से न केवल वातावरण दूषित होता है अपितु ज़मीन की उर्वरक क्षमता भी प्रभावित होती है। अनेक मित्र जीव अग्नि में भस्म हो जाते हैं। माध्यम कोई भी हो, प्रदूषण प्रत्येक दृष्टि से हानिकारक है। स्मॉग के कारण न केवल दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी होती है अपितु एयर क्वालिटी का गिरता स्तर श्वसन प्रणाली को प्रभावित करके अनेक रोगों को जन्म देता है। ख़ासतौर पर कोरोना पीड़ितों के लिए यह प्राणघातक सिद्ध हो सकता है। अगर जारी अध्यादेश को कृषक हितों के संदर्भ में देखें तो कई ख़ामियां नज़र आती हैं। सर्वप्रथम, राज्य सरकारों को मध्यस्थता के अधिकार से वंचित रखना इसे एकतरफा साबित करता है। दूसरे शब्दों में, आरोपित को राज्य सरकार से किसी प्रकार की सहायता नहीं मिल पाएगी। प्रस्तावित अध्यादेश में कोई कृषक प्रतिनिधि अथवा कृषि वैज्ञानिक भी सम्मिलित नहीं जो कृषकों की समस्याओं को सरसरी तौर पर समझकर कोई सुझाव दे पाए। राज्य प्रतिनिधि की अपेक्षा केन्द्रीय स्तर पर चयनित 13 सदस्यों की राय प्रभावी होने का अंदेशा रहेगा, जिससे किसानों पर केन्द्र की सीधी मार पड़ेगी। कृषि संबंधी कोई भी निर्देश देने का अधिकार कमीशन को निरंकुश बना सकता है। दोषी पाए जाने पर कृषकों को बिजली, पानी आदि की आपूर्ति बंद किए जाने के साथ ही उनके द्वारा धान की रोपाई किए जाने पर भी प्रतिबन्ध लग सकता है। इससे उनके आजीविका प्रबन्धन पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। आदेश के विरुद्ध अपील करने का एकमात्र ज़रिया एन.जी.टी. होने के कारण दूरस्थ क्षेत्रों के किसानों के लिए मुश्किलें और भी बढ़ जाएंगी। निर्देश की पालना न होने पर दंडस्वरूप वसूली जाने वाली राशि भी ज़मीनी हक़ीक़त से कोसों दूर है। किसानों का एक बड़ा वर्ग जो पहले ही आर्थिक समस्याओं से जूझ रहा है, जुर्माने की इतनी बड़ी राशि की व्यवस्था कैसे कर पाएगा? निश्चय ही भारी-भरकम जुर्माना अथवा 5 वर्ष का कारावास इसका स्थाई समाधान नहीं। केंद्र व राज्य सरकारों का यह दायित्व है कि दलगत भावनाओं से ऊपर उठकर सभी ग्राम पंचायतों में निर्धन किसानों को आधुनिक तकनीकी सुविधाएं मुफ्त अथवा सस्ती दरों पर उपलब्ध करवाएं एवं उचित मुआवज़े की व्यवस्था करें ताकि पराली चारा आदि वैकल्पिक प्रयोगों का सदुपयोगी माध्यम बने। ऐसा न हो कि पहले ही तीन कृषि कानूनों से जूझ रहे अन्नदाता का आक्रोश लावा बनकर फूट पड़े व समाधान घमासान में परिवर्तित हो जाए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एंजेल ब्रोकिंग ने म्यूचुअल फंड के लिए यूपीआई से स्वतः भुगतान सेवा शुरू की

नयी दिल्ली, एंजल ब्रोकिंग ने म्यूचुअल फंड्स के लिए यूपीआई के माध्यम से स्वतः भुगतान (ऑटो पे) करने की सेवा शुरू की है। इसके लिए उसने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम से अनुमति भी हासिल कर ली है। एंजल ब्रोकिंग ने एक बयान में कहा कि इस सुविधा से ई-मैंडेट (इलेक्ट्रॉनिक रूप में स्वीकृति देना) को मान्य करने वाला समय घटकर एक मिनट से भी कम जाएगा। इसके चलते ई-मैंडेट पंजीकरण की लागत खत्म हो गयी है जबकि इसका प्रबंधन सिर्फ एक फोन टच के बराबर रह गया है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय अग्रवाल ने कहा, '' एसआईपी (सिस्टेमैटिक इंवेस्टमेंट प्लान) के लिए यूपीआई ऑटोपे की सुविधा ई-मैंडेट पंजीकरण की कई बाधाओं को खत्म करेगी।'' यूपीआई का ग्राहक आधार बहुत बड़ा है। यह एसआईपी के ग्राहकों को एसआईपी का भुगतान करने के लिए नया विकल्प देगा।

अल्फाविक्टर ने ई-साइकिल खंड में प्रवेश किया

मुंबई. मुंबई स्थित स्टार्टअप अल्फाविक्टर ने गुरुवार तेजी से बढ़ते ई-साइकिल खंड में प्रवेश करने की घोषणा की और उनके प्रमुख मॉडल मेराकी की पेशकश की, जिसकी कीमत 29,999 रुपये है। कंपनी ने बताया कि इस साइकिल में 250 वाट की डीसी मोटर लगी है, जो अधिकतम 25 किलोमीटर प्रति घंटे की गति दे सकती है। इसमें 6.36 एएच की लिथियम आयन बैटरी लगी है, जिसे 2.5 घंटे में पूरी तरह चार्ज किया जा सकता है। कंपनी ने बताया कि साइकिल पूरी तरह चार्ज होने के बाद 35 किलोमीटर तक चल सकती है। अल्फाविक्टर ने बताया कि उसे इस पेशकश के लिए पहले ही मुंबई, बैंगलोर, दिल्ली, चेन्नई, पुणे, अहमदाबाद जैसे शहरों से 100 से अधिक बुकिंग मिल चुकी हैं।

कमजोर मांग से एल्युमीनियम वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली, हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच सटोरियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को एल्युमीनियम की कीमत 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 155.55 रुपये प्रति किग्रा रह गई। एमसीएक्स में एल्युमीनियम के नवंबर माह डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 50 पैसे अथवा 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 155.55 रुपये प्रति किग्रा रह गई। इसमें 1,070 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की कमजोर मांग की वजह से कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा कारोबार में एल्युमीनियम कीमतों में गिरावट आई।

इमामी का शुद्ध लाभ दूसरी तिमाही में 23.39 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली, एफएमसीजी कंपनी इमामी लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही में 23.39 प्रतिशत बढ़कर 118.45 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसका कारण स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता खंड में बढ़िया बिक्री है। कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया कि साल भर पहले की इसी तिमाही में उसे 95.99 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की कुल आय साल भर पहले के 676.43 करोड़ रुपये से 9.79 प्रतिशत बढ़कर 742.71 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी। कंपनी ने एक बयान में कहा, ''इमामी ने दूसरी तिमाही में सभी ब्रांडों में बेहतर प्रदर्शन किया। इससे उपभोक्ता धारणा में सुधार का पता चलता है। कंपनी ने कोरोना वायरस महामारी के कारण उत्पन्न चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को पीछे छोड़ते हुए आलोच्य तिमाही में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की है।'' कंपनी ने कहा कि इस तिमाही के दौरान स्वास्थ्य सेवा एवं स्वच्छता खंड में (प्रमुख ब्रांड झंडू और बोरोप्लस) ने कुल बिक्री में 47 प्रतिशत का योगदान दिया। इनमें 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इमामी लिमिटेड के निदेशक मोहन गोयनका ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेजी दिख रही है और व्यापार अब खुलने के साथ सकारात्मक दिख रहा है।

ICICI बैंक-वीडियोकॉन केसः ED ने चंदा कोचर और उनके पति के खिलाफ दायर की चार्जशीट

मुंबईः प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक चंदा कोचर, उनके पति दीपक कोचर और वीडियोकॉन समूह के प्रवर्तक वेणुगोपाल धूत के खिलाफ पहला आरोप पत्र दायर किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को कहा कि ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए) की धाराओं के तहत यह आरोपपत्र दाखिल किया है। ईडी ने इसे मंगलवार को मुंबई में एक विशेष अदालत के समक्ष दाखिल किया और अदालत का अभी इस पर संज्ञान लेना बाकी है।

सीबीआई के कोचर, धूत और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के बाद ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का आपराधिक मामला दायर किया था। इसके बाद ईडी ने सितंबर में दीपक कोचर को गिरफ्तार किया था।

ये लगे हैं आरोप

ईडी ने कोचर दंपत्ति और उनकी कारोबार इकाइयों पर वीडियोकॉन समूह की कंपनियों को 1,875 करोड़ रुपये का ' ऋण गैरकानूनी तरीके से आवंटित' करने और उसमें मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप दायर किए हैं। ईडी ने कहा था कि चंदा कोचर की अध्यक्षता वाली समिति ने वीडियोकॉन इंटरनेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को 300 करोड़ रुपये का ऋण आवंटित किया था। इस ऋण के प्राप्त होने के अगले ही दिन आठ सितंबर 2009 को वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने 64 करोड़ रुपये की राशि उनके पति की कंपनी न्यूपॉवर रिन्युएबल प्राइवेट लिमिटेड (एनआरपीएल) को स्थानांतरित किया था। एनआरपीएल को पहले न्यूपॉवर रिन्यूएबल लिमिटेड (एनआरएल) के नाम से जाना जाता था।

एएआई ने हवाईअड्डों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिये एनटीपीसी के साथ समझौता किया

नयी दिल्ली, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने हवाईअड्डों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने तथा इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिये बृहस्पतिवार को एनटीपीसी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। एक विज्ञप्ति में कहा गया कि एनटीपीसी की अनुषंगी एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम को सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिये एएआई के हवाईअड्डों पर निःशुल्क पर्याप्त भूखंड व छत पर जगह उपलब्ध कराई जायेगी। एएआई भारत में 100 से अधिक हवाईअड्डों का प्रबंधन करता है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू, हैदराबाद, मंगलुरू और लखनऊ हवाईअड्डों का प्रबंधन निजी कंपनियों के पास है। एएआई ने कहा, ''एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम शुरुआती चरण में तमिलनाडु और राजस्थान के हवाईअड्डों पर परियोजनाएं लगायेंगी। तमिलनाडु और राजस्थान के हवाईअड्डों को पूरी तरह से सौर ऊर्जा से संचालित बनाने के लिये क्रमशः 55 मेगावाट और आठ मेगावाट क्षमता की परियोजनाओं की जरूरत होगी।''

व्हाट्सऐप पेश करेगी कुछ समय बाद गायब हो जाने वाले संदेश भेजने का फीचर

नयी दिल्ली, फेसबुक के स्वामित्व वाली संदेश ऐप व्हाट्सऐप ने अपने मंच पर कुछ समय बाद गायब हो जाने वाले संदेश भेजने का फीचर पेश करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। ग्राहकों को इस महीने में ही व्हाट्सऐप चैट पर सात दिन बाद खुद से मिट जाने वाले संदेश भेजने की सुविधा मिल जाएगी। व्हाट्सऐप से पहले ऐसी ही सुविधा फेसबुक अपने इंस्टाग्राम मंच पर पेश कर चुकी है। इस मंच पर सिर्फ एक बार देखकर गायब हो जाने वाले संदेश भेजने की सुविधा उपलब्ध है। व्हाट्सऐप ने कहा कि चैट में बातचीत के दौरान जितना संभव हो सके उतना करीब होने का अनुभव कराने के लिए कंपनी ने यह फीचर पेश किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि व्हाट्सऐप पर गायब होने वाले संदेश को पेश करने में कंपनी बहुत रोमांचित महसूस कर रही है। जब भी ग्राहक इस फीचर को चालू करेंगे तब सात दिन बाद चैट से संदेश खुदबखुद गायब हो जाएंगे। इससे चैटिंग को और अधिक निजी बनाने में मदद मिलेगी। व्हाट्सऐप ने कहा कि किसी एक व्यक्ति के साथ चैट के दौरान दोनों में से कोई भी इस फीचर को चालू कर सकता है। जबकि समूह चैट में यह नियंत्रण एडमिन के पास होगा। कंपनी ने कहा कि हम सात दिन में संदेश गायब होने की सुविधा इसलिए शुरू कर रहे हैं ताकि चैट के हमेशा बने रहने का बोझ ना रहे। वहीं व्यक्ति यह ना भूल जाए कि उसने क्या संदेश भेजा था। ऐसे में यदि आपने कोई दुकान का पता भेजा है या खरीदारी की सूची तो वह आपकी चैट में जरूरत के लिए कुछ दिन पड़ी रहे और बाद में गायब हो जाए।

सेंसेक्स 724 अंक की छलांग से नौ माह के उच्चस्तर पर, निफ्टी 12,100 अंक के पार

मुंबई

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बावजूद वैश्विक बाजारों के मजबूत रुख से बृहस्पतिवार को सेंसेंक्स 724 अंक की छलांग के साथ अपने करीब नौ माह के उच्चस्तर पर पहुंच गया। यह लगातार चौथा कारोबारी सत्र है जब बाजार लाभ के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स मजबूती के रुख के साथ खुलने के बाद दिनभर सकारात्मक दायरे में रहा। अंत में यह 724.02 अंक या 1.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 41,340.16 अंक पर बंद हुआ। इस साल फरवरी मध्य के बाद सेंसेक्स पहली बार 41,000 अंक से ऊपर बंद हुआ है। सेंसेक्स ने 2020 के कैलेंडर साल में हुए समूचे नुकसान की भरपाई कर ली है। एक जनवरी, 2020 को सेंसेक्स 41,306.02 अंक पर बंद हुआ था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 211.80 अंक या 1.78 प्रतिशत के लाभ के साथ 12,120.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के सभी शेयर लाभ में रहे। एसबीआई में सबसे अधिक 5.63 प्रतिशत का लाभ रहा। टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक, एशियन पेंट्स और टाइटन के शेयर भी 5.34 प्रतिशत तक चढ़ गए। इस तरह के संकेत मिल रहे हैं कि डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जोए बाइडेन अमेरिका का राष्ट्रपति चुनाव जीत सकते हैं। हालांकि, सीनेट में रिपब्लिकन का मामूली बहुमत कायम रहने की संभावना है। इन घटनाक्रमों के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी रही। निवेशक उम्मीद कर रहे हैं कि बाइडेन के राष्ट्रपति बनने पर चीन के साथ व्यापार को लेकर विवाद कुछ कम हो सकेगा। विश्लेषकों का मानना है कि रिपब्लिकन के बहुमत वाली सीनेट ऊंचे करों और कड़े नियमनों जैसे उपायों को रोकेगी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव डेमोक्रेटिक पार्टी के पक्ष में जाने के संकेतों के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी आई। इसी तर्ज पर घरेलू बाजार भी करीब आठ माह के उच्चस्तर पर पहुंच गए।'' नायर ने कहा, ''निवेशक उम्मीद कर रहे कि फेडरल रिजर्व की मौजूदा नीतिगत बैठक के दौरान कुछ नए उपायों की घोषणा हो सकती है और अमेरिकी केंद्रीय बैंक नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा। कंपनियों के तिमाही नतीजे बेहतर रहने तथा विदेशी बाजारों से प्रवाह बढ़ने से बाजार का भरोसा आगे कायम रहेगा।'' बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप 1.74 प्रतिशत तक चढ़ गए। अन्य एशियाई बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, चीन का शंघाई कम्पोजिट, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान के निक्की में भी अच्छी बढ़त दर्ज हुई। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार भी बढ़त में थे। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 40 पैसे की बढ़त के साथ 74.36 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

आर्सेलर मित्तल को सितंबर तिमाही में 26.1 करोड़ डॉलर का घाटा

नयी दिल्ली,

इस्पात कंपनी आर्सेलर मित्तल को चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त तिमाही में 26.1 करोड़ डॉलर (लगभग 1,940 करोड़ रुपये) का घाटा हुआ है। कंपनी ने एक बयान में इसकी जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि साल भर पहले की इसी तिमाही में उसे 53.9 करोड़ डॉलर का घाटा हुआ था। कंपनी जनवरी से दिसंबर वित्त वर्ष का अनुपालन करती है। कंपनी ने कहा कि इस दौरान उसकी बिक्री साल भर पहले के 16.6 अरब डॉलर से कम होकर 13.3 अरब डॉलर पर आ गयी। हालांकि, जून तिमाही की तुलना में बिक्री 20.9 प्रतिशत अधिक रही है। इस दौरान कंपनी का निर्यात साल भर पहले के 202 लाख टन से कम होकर 175 लाख टन पर आ गया है। यह जून तिमाही में 148 लाख टन रहा था।

रिलायंस रिटेल में पीआईएफ खरीदेगी 2.04 फिसदी हिस्सेदारी, निवेश करेगी 9555 करोड़ रुपए

नई दिल्ली।

अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज की खुदरा इकाई रिलायंस रिटेल में सऊदी अरब के सार्वजनिक निवेश कोष (पीआईएफ) ने 9,555 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस तरह रिलायंस की यह खुदरा इकाई पिछले दो माह में 47,265 करोड़ रुपये का निवेश हासिल कर चुकी है।

रिलायंस रिटेल में 2.04 प्रतिशत हिस्सेदारी

कंपनी की ओर से बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा गया है कि पीआईएफ 9,555 करोड़ रुपये के निवेश से रिलायंस रिटेल वेंचर्स लि. (आरआरवीएल) में 2.04 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। पीआईएफ के निवेश के हिसाब से आरआरवीएल का मूल्यांकन 4.587 लाख करोड़ रुपये बैठता है। सऊदी अरब के सॉवरेन संपदा कोष का यह अंबानी की कंपनी में दूसरा निवेश है। इससे पहले उसने जियो प्लेटफॉर्म्स में 11,367 करोड़ रुपये के निवेश से 2.32 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया था।

जीडीपी में 10 प्रतिशत से अधिक का योगदान

बयान में कहा गया है कि इस निवेश से पीआईएफ का भारत की तेज-तर्रार अर्थव्यवस्था और तेजी से बढ़ते खुदरा बाजार खंड में उपस्थिति मजबूत हो सकेगी। बयान में कहा गया है कि यह पीआईएफ की एक प्रमुख वैश्विक निवेशक के रूप में नवोन्मेषी और बदलाव लाने वाली कंपनियों में निवेश की रणनीति का हिस्सा है। इसके जरिये प्रमुख समूहों के साथ उनके बाजारों में मजबूत भागीदारी विकसित करना चाहते हैं। भारत का खुदरा क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़े खुदरा क्षेत्रों में से है। इसका देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 10 प्रतिशत से अधिक का योगदान है।

मुकेश अंबानी ने किया स्वागत

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा, 'सऊदी अरब के पीआईएफ के साथ हमारा काफी पुराना संबंध है। सऊदी अरब में बदलाव लाने में इसने अग्रणी भूमिका निभाई है।' अंबानी ने कहा, 'मैं रिलायंस रिटेल में पीआईएफ का एक मूल्यवान भागीदार के रूप में स्वागत करता हूं। इससे हमें देश के खुदरा क्षेत्र में बदलाव लाने की महत्वाकांक्षी यात्रा में मदद मिल सकेगी। इससे हम 1.3 अरब भारतीयों तथा लाखों छोटे दुकानदारों की जिंदगी में परिवर्तन ला सकेंगे।' पीआईएफ के गवर्नर यासिर अल-रुमायन ने कहा रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ अपनी भरोसे वाली भागीदारी को आगे बढ़ाकर हम काफी खुश हैं। यह निवेश पीआईएफ की दुनियाभर के नवोन्मेषी कारोबार में निवेश और भागीदारी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ल्यूपिन का मुनाफा दूसरी तिमाही में 211 करोड़ रुपये रहा

नयी दिल्ली. दवा कंपनी ल्यूपिन ने बताया कि अमेरिकी बाजार में बिक्री मजबूत रहने के चलते 30 सितंबर को समाप्त तिमाही के दौरान उसका संचयी शुद्ध लाभ 211.02 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने बुधवार देर रात शेयर बाजार को बताया कि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में उसने 127.07 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा दर्ज किया था। ल्यूपिन ने बताया की समीक्षाधीन अवधि में उसकी कुल परिचालन आय 3,835 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 3,822.21 करोड़ रुपये थी। कंपनी के प्रबंध निदेशक नीलेश गुप्ता ने कहा, ''हम इस तिमाही के दौरान अपने कारोबार में जोरदार सुधार से खुश हैं, जो सभी भौगोलिक क्षेत्रों, विशेष रूप से अमेरिका और भारत में क्रमिक वृद्धि के कारण है।''

कोरोना काल में रेलवे की ये कंपनी हुई मालामाल, कमाए 1,166 करोड़ रुपये

नई दिल्ली।

रेलटेल ने वित्त वर्ष 2019-20 में 1,166 करोड़ रुपये की अपनी सर्वाधिक एकीकृत आय दर्ज की है। सार्वजनिक क्षेत्र की रेलटेल ने अपनी 20वीं सालाना आम बैठक में यह घोषणा की। कंपनी की सालाना आम बैठक 28 अक्टूबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित हुई। कंपनी की एकीकृत आय में यह पिछले वित्त वर्ष 2018-19 की 1,038.26 करोड़ रुपये की तुलना में 12.3 प्रतिशत की वृद्धि है।

कुल 68.06 करोड़ रुपये का लाभांश

रेलटेल ने बुधवार को एक बयान में कहा कि 2019-20 में उसका कर पूर्व लाभ 184.76 करोड़ रुपये रहा। जबकि इस दौरान एकीकृत आधार पर उसका शुद्ध लाभ 141.06 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2020-21 में कंपनी ने कुल 68.06 करोड़ रुपये का लाभांश दिया है। इसमें कंपनी का 20 करोड़ रुपये का अंतरिम लाभांश भी शामिल है।

साल 2000 में हुआ रेलटेल का गठन

रेलटेल का गठन वर्ष 2000 किया गया था। इसे ट्रेन नियंत्रण, परिचालन और सुरक्षा के लिए अपनाई जाने वाली मौजूदा दूरसंचार प्रणाली को आधुनिक बनाने का काम सौंपा गया था। साथ ही अतिरिक्त राजस्व कमाने के लिए देशव्यापी ब्रॉडबैंड एवं मल्टीमीडिया नेटवर्क बनाने का भी काम दिया गया। कंपनी को रेलवे ट्रैक के साथ-साथ ऑप्टिकल फाइबर बिछाने का काम भी दिया गया। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक पुनीत चावला ने कहा कि कोविड-19 महामारी ने ना केवल विभिन्न क्षेत्रों के कारोबार को सुरक्षित परिचालन के लिए प्रौद्योगिकी आधारित मंच अपनाने के लिए बाध्य किया बल्कि डिजिटलीकरण को भी बढ़ावा दिया।

कोविड-19 के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था में गिरावट चुनौती बनी रहेगी: श्रृंगला

नयी दिल्ली,

कोरोना वायरस की वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था में आयी गिरावट एक चुनौती बनी रहेगी लेकिन भारत इसे अपनी अर्थव्यवस्था के लिए बाधा की तरह नहीं बल्कि अवसर की तरह देख रहा है। विदेश सचिव हर्षवर्द्धन श्रृंगला ने बृहस्पतिवार को यह विचार व्यक्त किया।

श्रृंगला राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय द्वारा आयोजित एक वर्चुअल संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए काम करने को प्रतिबद्ध है। यह नियम कानून सम्मत, पारदर्शी, नौवहन की स्वतंत्रता, भौगोलिक एकता और संप्रभुता का सम्मान और विवादों के शांतिप्रिय समाधान पर आधारित होने चाहिए। उनकी यह टिप्पणी पूर्वी लद्दाख, दक्षिण चीन सागर एवं हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के विस्तारवादी व्यवहार के बीच सामने आई है। उन्होंने कहा, '' हमारा लक्ष्य सभी देशों के आर्थिक और सुरक्षा हितों का सम्मान करना है।' श्रृंगला ने कहा कि भारत ने अपने विकास के अनुभवों को अपने सहयोगियों के साथ बांटने का अनोखा तरीका विकसित किया है। यह दुनिया के विभिन्न भौगोलिक इलाकों में 'बेहतरी के लिये ताकत' होने की भारत की रणनीतिक आकांक्षाओं को दिखाता है। उन्होंने कहा, '' महामारी की वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था में गिरावट आने वाले समय में हमारे लिए एक चुनौती बनी रहेगी। यह ठीक वैसी होगी जैसी हमने 2008 में आयी आर्थिक मंदी के वक्त देखी थी। इस तरह के बड़े झटके से बहुत सावधानीपूर्वक बाहर आने की जरूरत है।''

इस दौरान उन्होंने महामारी से निबटने के भारत के प्रयासों के बारे में भी चर्चा की। श्रृंगला ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के इस तरह से टूटने ने हमें पहली बार वैकल्पिक संभावनाओं को तलाशने और उसके बारे में सोचने का मौका दिया है। उन्होंने कहा, ''भारत इस चुनौती को बाधा के तौर पर नहीं बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था और वैश्विक प्रणाली के फिर से संतुलित होने के अवसर के तौर पर देख रहा है।''

श्रृंगला ने कहा कि महामारी ने देशों की कमियों को उजागर किया है और 'रणनीतिक स्वायत्ता' को फिर से लागू करने की जरूरत बतायी है।

श्याओमी ने त्यौहारी सेल के पहले चरण में बेचे 50 लाख फोन, पेश किया 'मी स्मार्ट अपग्रेड' कार्यक्रम

नयी दिल्ली

श्याओमी ने त्यौहारी बिक्री के पहले चरण में 50 लाख स्मार्टफोन की बिक्री है। यह पिछले साल के मुकाबले 15-20 प्रतिशत अधिक है। इसी के साथ कंपनी ने पुराने श्याओमी ग्राहकों को नए फोन से अपग्रेड करने के लिए 'मी स्मार्ट अपग्रेड' कार्यक्रम भी पेश किया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि 'मी स्मार्ट अपग्रेड' कार्यक्रम के तहत श्याओमी के पुराने ग्राहकों को नया रेडमी और मी फोन खरीदने पर उनके पुराने फोन का 70 प्रतिशत तक मूल्य मिलेगा। घरेलू स्मार्टफोन बाजार में कंपनी की प्रतिस्पर्धा सैमसंग, वीवो, रीयलमी और ओप्पो जैसे ब्रांड के साथ है। श्याओमी इंडिया के मुख्य परिचालन अधिकारी मुरलीकृष्णन बी. ने पीटीआई-भाषा से कहा कि अक्टूबर मध्य में शुरू हुई पहले चरण की त्यौहारी सेल के दौरान कंपनी के स्मार्टफोन की बिक्री में वृद्धि रही। यह बढ़त उसके खुद के ई-वाणिज्य मंच के साथ-साथ अन्य ई-वाणिज्य कंपनियों के मंच पर भी देखने को मिली। उन्होंने स्पष्ट किया, '' हमने अपने सभी उत्पादों की नयी श्रृंखला दो-तीन महीने पहले ही पेश की थी। हम इस साल त्यौहारी मौसम के लिए पहले से तैयार थे, इसने ग्राहकों के बीच अधिक रुचि पैदा की। इसने हमें बाजार में पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति करने की सुविधा भी दी।''

उन्होंने कहा कि नवरात्रि के दौरान पहली त्यौहारी बिक्री के समय कंपनी ने 50 लाख स्मार्टफोन की बिक्री की है। यह पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 15 से 20 प्रतिशत अधिक है। कंपनी को दिवाली खरीद के दौरान बिक्री और बढ़ने की उम्मीद है।

कारों की दीर्घकालिक मांग समग्र आर्थिक स्थिति पर निर्भर करेगी: हुंडई

नयी दिल्ली,

हुंडई मोटर इंडिया घरेलू बाजार को लेकर सतर्कता के साथ आशावादी बनी हुई है और उसे अगली तिमाहियों में दबी हुई मांग निकलने से बिक्री बढ़ने की उम्मीद है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने उक्त अनुमान जताते हुए कहा कि बाजार में दीर्घकालिक मांग समग्र आर्थिक दशा पर निर्भर करेगी। देश की दूसरी सबसे बड़ी यात्री वाहन निर्माता ने कहा कि महामारी के कारण साझा या सार्वजनिक परिवहन की जगह निजी वाहनों की ओर रुझान बढ़ेगा। हुंडई मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ एस एस किम ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''हमारे बाजार शोध के अनुसार लगभग 10 लाख लोगों ने महामारी के चलते पैदा हुई अनिश्चितता के कारण कार खरीदने का फैसला या तो टाल दिया या इसका इरादा छोड़ दिया। इसलिए यह मांग दोबारा आएगी, हमने पहले ही दूसरी तिमाही में इस मांग को देखा है। यह मांग आने वाली तिमाहियों में जारी रहेगी।'' उन्होंने कहा कि मांग कम से कम अगले साल की पहली तिमाही तक रहेगी। किम ने आगे कहा, ''...लेकिन अंत में समग्र बाजार की स्थिति का निर्धारण सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि जैसे आर्थिक संकेतकों के आधार पर किया जाएगा। इनका मांग पर प्रभाव पड़ेगा। फिर कोरोना वायरस की दूसरी लहर को लेकर भी चिंता है, इसलिए हम सावधानीपूर्वक आशावादी बने हुए हैं।''

उन्होंने कहा कि यदि जरूरी हुआ तो कंपनी बाजार की स्थिति के अनुसार बदलाव करने के लिए तेजी से आगे बढ़ेगी।

किम ने कहा कि अल्पकालिक चुनौतियों के बावजूद भारत एक बहुत मजबूत ऑटोमोबाइल बाजार है। उन्होंने कहा, ''भारत में अभी भी कम लोगों के पास कार है और ऐसे में दीर्घकालिक दृष्टिकोण से मुझे लगता है कि भारत में नई कार की मांग के संबंध में भारी संभावनाएं हैं। छोटी अवधि में हमारे पास कुछ अनिश्चितताएं हो सकती हैं लेकिन दीर्घकालिक दृष्टिकोण से बाजार मजबूत है।''

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

आई-लीग से पहले हो सकता है आईएफए शील्ड का आयोजन

नई दिल्ली। अगर सबकुछ अच्छा रहा तो इस साल आईएफए शील्ड का आयोजन आई-लीग से पहले किया जाएगा। आईएफए शील्ड देश का सबसे फुटबाल टूर्नामेंट है। इंडियन फुटबाल एसोसिएशन (आईएफए) के एक सीनियर अधिकारी ने आईएएनएस से कहा कि संघ इश साल आईएफए शील्ड का आयोजन दिसम्बर में कराने पर विचार कर रहा है। सूत्रों ने हालांकि तारीखों की पुष्टि नहीं की। एक सूत्र ने कहा, हमारे प्लान के अनुसार यह आई-लीग से पहले आयोजित किया जाएगा। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने अभी तक आई-लीग की तारीखों की घोषणा नहीं की है। लीग के एक सदस्य ने आईएएनएस से कहा कि लीग के अगले साल जनवरी में शुरू होने के आसार हैं।

फाइनल में पहुंचने की पहली बाधा पार करने की कोशिश करेगी बेंगलोर, हैदराबाद

अबू धाबी।

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के 13वें सीजन में एलिमिनेटर मुकाबले में शुक्रवार को विराट कोहली की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और डेविड वार्नर की कप्तानी वाली सनराइजर्स हैदराबाद का सामना शेख जाएद स्टेडियम में होगा। इस मैच को हारने वाली टीम लीग से बाहर हो जाएगी, जबकि जीतने वाली टीम को क्वालीफायर-2 खेलने का मौका मिलेगा जिसे जीतकर वह फाइनल में पहुंच सकती है। बेंगलोर को लीग चरण के अपने अंतिम मैच में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं हैदराबाद ने अपने अंतिम लीग मैच में मुंबई जैसी मजबूत टीम को 10 विकेट से मात दी थी। मुंबई जैसी टीम को मात दे प्लेऑफ में आ रही हैदराबाद का निश्चित तौर पर आत्मविश्वास बढ़ा होगा। इन दोनों के बीच लीग चरण में जो दो मैच खेले गए थे उनमें दोनो टीमों के हिस्से एक-एक जीत आई थी। हैदराबाद शानदार फॉर्म में है। गेंदबाजी से लेकर बल्लेबाजी तक सब अच्छा चल रहा है। भुवनेश्वर कुमार के चोटिल होने के बाद लगा था कि टीम की गेंदबाजी बिखर जाएगी लेकिन संदीप शर्मा, जेसन होल्डर और टी. नटराजन ने उनकी कमी खलने नहीं दी। टीम की गेंदबाजी अभी भी मजबूत है और इसका उदाहरण मुंबई के खिलाफ मैच में देखने को मिला था जहां मुंबई का मजबूत बल्लेबाजी क्रम 150 के आंकड़े को भी नहीं छू सका था। एक बार फिर टीम उम्मीद करेगी की यह तीनों विराट कोहली, एबी डिविलियर्स के सामने अच्छा प्रदर्शन करें। हालांकि बेंगलोर की बल्लेबाजी में सिर्फ यह दोनों खिलाड़ी ही नहीं हैं बल्कि देवदत्त पडिकल भी एक नाम है जो लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। क्रिस मौरिस भी अंत में तेजी से रन बनाते हैं। इसलिए हैदराबाद को सिर्फ दो बल्लेबाजों को ही नहीं देखना होगा। स्पिनर राशिद खान हैदराबाद की गेंदबाजी में वो नाम हैं जो किसी भी बल्लेबाज को अपनी फिरकी में फंसा सकता है। मध्य के ओवरों में हैदराबाद के लिए राशिद ने शानदार काम किया और डेथ ओवरों में संदीप और नटारजन ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है। गेंदबाजी बेंगलोर की भी अच्छी है। नवदीप सैनी, इसुरु उदाना और मौरिस से निपटना हैदराबाद के बल्लेबाजों के लिए भी चुनौती होगा। युजवेंद्र चहल और वॉशिंगटन सुंदर की स्पिन जोड़ी भी टीम के लिए उपयोगी योगदान देती आई है। हैदराबाद ने पिछले कुछ मैचों में सलामी जोड़ी मे बदलाव किया है और कप्तान वार्नर के साथ रिद्धिमान साहा पारी की शुरूआत करने आ रहे हैं। यह जोड़ी टीम के लिए कारगर साबित हुई है। इसलिए बेंगलोर की कोशिश होगी कि वह इस जोड़ी को जल्द से जल्द पवेलियन पहुंचाए। इन दोनों के बाद टीम का भार मनीष पांडे, केन विलियम्सन, प्रियम गर्ग और होल्डर के जिम्में आ जाती है। यह सभी टीम को बचाने और मजबूत स्कोर प्रदान करने में सक्षम हैं।

नडाल 1000 मैच जीतने वाले क्लब में शामिल

पेरिस।

बीस बार के ग्रैंड स्लैम विजेता स्पेन के राफेल नडाल ने अपने खाते में एक और उपलब्धि जोड़ ली है। वह टेनिस इतिहास में ओपन इरा में 1000 एकल मैच जीतने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए हैं। नडाल ने यह मुकाम बुधवार को पेरिस मास्टर्स में फेलेसियानो लोपेज को 4-6, 7-6 (5), 6-4 से मात दे कर हासिल किया। इस जीत के साथ नडाल टूर्नामेंट के तीसरे दौर में पहुंच गए हैं। टेनिस में 1000 या इससे ज्यादा एकल मैच जीतने के मामले में नडाल से पहले जिम्मी कोन्नोर्स (1,274-283), रोजर फेडरर (1,242-271), इवान लेंडल (1,068-242) हैं। एटीपी वेबसाइट ने नडाल के हवाले ले लिखा है, 1000 मैच जीतने का मतलब है कि मैं बूढ़ा हो चुका हूं। इसका मतलब है कि मैंने लंबे समय तक अच्छी टेनिस खेली है। इस आंकड़े पर पहुंचने का मतलब है कि मैं काफी वर्षों से अच्छा खेल रहा हूं।

यह ऐसी चीज है जो मुझे खुशी देती है। उन्होंने कहा, मैं उन सभी लोगों को शुक्रिया कहना चाहता हूं जिन्होंने यहां तक पहुंचने में मेरी मदद की।

गोल्फ : जोरावर, शौकीन और स्मृति ने जीता चैम्पियंस लिंक्स चैलेंज खिताब

गुरुग्राम। जोरावर रंधावा ने गुरुवार को यहां के गोल्डन ग्रींस गोल्फ क्लब में आयोजित डब्ल्यूएजीआर एंड जेपीएस रैंकिंग चैम्पियंस लिंक चैलेंज गोल्फ टूर्नामेंट में टीन ब्वाएज बी कटेगरी का खिताब जीत लिया। 13 साल के जोरावर गोल्फ स्टार ज्योति रंधावा के बेटे हैं। जोरावर ने दूसरे स्थान पर रहे रणवीर धूपिया पर 6 शॉट के अंतर से जीत हासिल की। इसी तरह दक्ष शौकीन ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पुरुषों की एमेच्योर कटेगरी का खिताब जीता। राघव चुग को टीन ब्वाएज-ए कटेगरी का खिथाब मिला। टॉप कटेगरी में राघव दूसरे स्थान पर रहे। स्मृति भार्गव ने महिला एमेच्योर खिताब जीता। रागिनी नवेत दूसरे स्थान पर रहीं। वेदांत बनर्जी और रणवीर मित्रो 5 ओवर 149 पर टाई रहे लेकिन वेदांत ने सेकेंड प्ले ऑफ होल में जीत हासिल करते हुए कटेगरी सी का खिताब अपने नाम किया।

बीबीएल-10 की शुरुआत होबार्ट, कैनबरा बबल से

मेलबर्न।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने गुरुवार को बिग बैश लीग (बीबीएल) के 2020-21 सीजन के शुरुआती 21 मैचों के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। 10 दिसंबर से शुरू हो रही लीग के शुरुआती मैच होबार्ट और कैनबरा बबल में खेले जाएंगे। इसके बाद क्वींसलैंड (23 दिसंबर) और ऐडिलेड (28 दिसंबर) मैचों की मेजबानी करेंगे। सीजन का पहला मैच होबार्ट हरीकैंस और मौजूदा विजेता सिडनी सिक्सर्स के बीच ब्लंडस्टोन एरेना में खेला जाएगा। नए साल में होने वाले मैचों के स्थलों की घोषणा आने वाले सप्ताहों में की जाएगी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने उम्मीद जताई है की सीमा पर लगी पाबंदियों में छूट से हर राज्य में मैचों का आयोजन किया जा सकेगा। बीबीएल के हेड एलिस्टर डोबसन ने कहा, इस बात में कोई शक नहीं है कि यह लीग द्वारा अभी तक फिक्र र्स को लेकर सबसे मुश्किल काम था और जिस तरह से यह हुआ उससे हम काफी खुश हैं। पूरे आस्ट्रेलिया में कई लोगों के लिए यह साल काफी मुश्किल रहा है। अगर सीमा संबंधी स्थितियां हमें मंजूरी दें तो हम बीबीएल को हर राज्य में ले जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हम सीजन के बाकी बचे 35 मैचों और फाइनल पर हमारे क्लबों, प्रसारणकर्ता, साझेदार और सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इस संबंध में घोषणा आने वाले सप्ताहों में की जाएगी। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच 17 दिसंबर से एडिलेड से शुरू हो रही सीरीज से पहले बीबीएल के सिर्फ नौ मैच खेले जाएंगे। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जब शुरू होगी तक बीबीएल में 10 दिन का ब्रेक होगा। इसके बाद बीबीएल के मैच दिन में खेले जाएंगे। बाकी की टेस्ट सीरीज के दौरान बीबीएल के मैच टेस्ट मैच खत्म होने के बाद खेले जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

फर्स्ट क्लास क्रिकेट से रिटायर होंगे कैलम फर्ग्यूसन

मेलबर्न। दक्षिण आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कैलम फर्ग्यूसन ने रिटायरमेंट की घोषणा कर दी है। कैलम अगले सप्ताह क्वींसलैंड के साथ होने वाले मार्श शेफील्ड शील्ड मुकाबले के बाद अपने 16 साल के फर्स्ट क्लास करियर का समापन करेंगे। कैलम ने कहा है कि वह हालांकि बिग बैश लीग में सिडनी थंडर टीम की कप्तानी करते रहेंगे और साथ ही उनकी साउथ आस्ट्रेलिया के लिए वनडे मैच खेलते रहने की भी इच्छा है। कैलम को साउथ आस्ट्रेलिया के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। उनके नाम 19 शतकों सहित कुल 8210 रन हैं। कैलम ने आस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट तथा वनडे क्रिकेट भी खेला है।

मोर्ने मोर्केल ने सरे से खत्म किया करार

लंदन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्केल ने इंग्लिश काउंटी सरे के साथ तीन साल बिताने के बाद काउंटी से अलग होने का फैसला किया है। वह 2021 सीजन के लिए क्लब में नहीं लौटेंगे। 36 साल के मोर्केल ने सरे के लिए सभी प्रारूपों में 136 विकेट लिए हैं। उन्होंने 2018 में काउंटी चैम्पियनशिप में सरे को जीत दिलाने में अहम रोल निभाया था। मोर्केल ने एक भावुक पत्र में कहा, 2018 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद जब मैंने सरे का दामन थामा था तो मैं क्लब के पेशेवर रवैये और शानदार इतिहास को देखकर अभिभूत रह गया था। मेरे पहले साल में काउंटी चैम्पियनशिप जीतना और सभी समर्थकों, सदस्यों से ऊर्जा लेना, ऐसी चीज है जिसे मैं अपने पूरे जीवन में याद रखूंगा। उन्होंने लिखा, दुर्भाग्यवश समय आ गया है कि मैं इस क्लब से विदा लूं और एक नया अध्याय लिखूं। कोविड-19 और क्वारंटीन नियमों ने सफर करने को काफी चुनौतीपूर्ण बना दिया है। इसलिए घर और परिवार से दूर बाहर लंबा समय बिताना संभव नहीं है। सरे के निदेशक एलेक स्टीवर्ट ने कहा, वह हर तरीके से हमारे लिए शानदार रहे थे। पहले मैच से वह अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे और उन्होंने ड्रेसिंग रूम में बड़ा रोल निभाया है। हर किसी को उनकी कमी खलेगी। परिवार पहले है। इस महामारी के कारण जो अनिश्चित्ता और यातायात पाबंदियां हैं उन्हें मैं पूरी तरह से समझता हूं और मोर्केल के फैसले का सम्मान करता हूं।

उस्मान ख्वाजा के भाई को फेक टेरर प्लॉट को लेकर जेल की सजा

सिडनी।

आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर उस्मान ख्वाजा के भाई को अपने सहकर्मी को एक फेक टेरर प्लॉट में फंसाने का आरोप साबित होने के बाद ढाई साल की जेल की सजा सुनाई गई है। सिडनी मार्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला 2018 का है। उस्मान के भाई अर्सलान ख्वाजा ने अपने सहकर्मी मोहम्मद कामेर निजामेद्दीन की एक किताब में कई हमलों के बारे में लिखा था। इसके बाद अर्सलान ने उसे न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी के अपने प्रोजेक्ट मैनेजर को दे दिया था। इस मामले में जब पुलिस शामिल हुई तो 40 साल के अर्सलान ने पुलिस को गुमराह करने वाले बयान दिए और कहा कि वह किताब उसे कहीं मिली थी। अर्सलान को कामेर से जलन थी और इसी कारण वह उसे किसी गम्भीर मामले में फंसाना चाहता था। इस जलन के पीछे एक लड़की थी, जो दोनों की दोस्त थी लेकिन वह कामेर से अधिक क्लोज थी। न्यू साउथ वेल्स डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज रोबर्ट वेबर ने गुरुवार को अपने फैसले में कहा कि अर्सलान ने नोटबुक में आतंकी हमले से जुड़ी बातें लिखीं क्योंकि वह मानता था कि कामेर उस लड़की के साथ प्यार करता है और दोनों जल्द ही शादी करने वाले हैं। जज ने अर्सलान के खिलाफ चार साल

6 महीने की जेल की सजा सुनाई लेकिन चूंकी अर्सलान 2018 में पहली बार हिरासत में गया था तो ऐसे में वह अगले साल जून में पेरोल पर रिहा होने का हकदार हो गया है।

दिल्ली कैपिटल्स को मुंबई इंडियंस के खिलाफ होगी बढ़त : बांगर

दुबई । भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज संजय बांगर को लगता है कि दिल्ली कैपिटल्स में खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है और इसी कारण उसे मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले आईपीएल-13 के पहले क्वालीफायर में बढ़त होगी। दिल्ली ने अपने अंतिम लीग मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को आसानी से छह विकेट से हराया था। बांगर ने स्टार स्पोर्टस के शो पर कहा, मैं एक बात कहना चाहता हूं, एक बार जब आप प्लेऑफ में पहुंच चुके हैं तो अतीत में क्या हुआ यह मायने नहीं लगता। यह दिन पर निर्भर करता है कि उस दिन कौन सी टीम कैसा खेलती है। मैं मानता हूं कि बेशक दिल्ली के पास ज्यादा प्लेऑफ मैच खेलने का अनुभव नहीं है, लेकिन वह इस सीजन जिस तरह का खेले हैं वो शानदार है। उन्होंने कहा, शुरुआत में सफल हुए, बाद में थोड़ी असफलता मिली। इसके बाद क्वालीफाई करने के लिए एक शानदार मैच खेला औ दूसरा स्थान हासिल किया। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच ने कहा, मुझे लगता है कि जिस तरह का संयोजन दिल्ली के पास है, उनके पास युवा और अनुभवी भारतीय बल्लेबाज हैं, विदेशी खिलाड़ियों का तेज गेंदबाजी आक्रमण है और भारतीय स्पिनर हैं। उनके पास अनुभव, तेजी और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। अगर कोई टीम है जो दिल्ली कैपिटल्स को चुनौती दे सकती है तो वो है दिल्ली कैपिटल्स। इसलिए मुंबई को सावधान रहना चाहिए। यह आसान नहीं रहने वाला है। लीग चरण में हालांकि दोनों टीमों के बीच हुए दो मुकाबलों में मुंबई ने दोनों मुकाबले जीते थे।

रितुराज गायकवाड ने बेसलाइन वेंचर्स के साथ करार किया

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज रितुराज गायकवाड ने स्पोर्ट्स मार्केटिंग फर्म-बेसलाइन वेंचर्स के साथ मल्टी-इअर कांट्रेक्ट किया है। बेसलाइन वेंचर्स अब रितुराज से जुड़े एक विज्ञापन को मैनेज करेगा। 23 साल के रितुराज ने 2016 में अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। तब से लेकर आज तक रितुराज ने टॉप ऑर्डर में छह शतक और चार अर्धशतक लगाए हैं। चेन्नई सुपर किंग्स ने रितुराज को 20 लाख रुपये में हासिल किया था और इस खिलाड़ी इस साल यूएई में टीम के लिए अंतिम तीन मैचों में लगातार अर्धशतक लगाए। रितुराज और बेसलाइन वेंचर्स के प्रबंध निदेशक तुहिन मिश्रा ने इस करार पर खुशी जाहिर की है।

संदीप की स्विंग उन्हें पावरप्ले में बनाती है खतरनाक

नई दिल्ली।

सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज संदीप शर्मा में गेंद को स्विंग कराने की काबिलियत है और इसी कारण आईपीएल में उन्होंने अभी तक जो 108 विकेट लिए हैं उनमें से आधे पावरप्ले में आए हैं। संदीप ने आईपीएल में कुल सात बार विराट कोहली को आउट किया है जो एक संयुक्त रिकार्ड है। इन सात में से चार बार कोहली को उन्होंने पावरप्ले में ही आउट किया है। संदीप के मेंटॉर और पंजाब रणजी ट्रॉफी टीम के मुख्य कोच मुनीश बाली ने कहा, संदीप की गेंदबाजी में जो सबसे अच्छी बात है जो मैंने काफी पहले ही नोटिस की थी वो है उनकी रिस्ट पोजिशन और उनकी दोनों तरफ गेंद को स्विंग कराने की क्षमता। इसी कारण वह बल्लेबाज को परेशान कर पाने में सफल रहते हैं और यह उनके दिमाग में भी रहता है। बाली उस भारतीय अंडर-19 टीम के सहायक कोच थे जिसने कोहली की कप्तानी में 2008 में विश्व कप जीता था। टीम के मुख्य कोच डेव व्हाटमोर थे। मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मैच में संदीप ने पावरप्ले में अपना 53वां विकेट लिया और जहीर खान के पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने के रिकार्ड की बराबरी की। वह जहीर के साथ कोहली को आउट करने का रिकार्ड भी साझा करते हैं। बाली ने कहा, मैंने उन्हें उनके शुरुआती दिनों से देखा है। मैं इस बात से हैरान नहीं हूं कि वह कोहली को कई बार आउट कर चुके हैं। पिछले सीजन उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में हरियाणा के खिलाफ 19 रन देकर सात विकेट लिए थे और वडोदरा की स्थिति का अच्छा फायदा उठाया था। अन्य बड़े बल्लेबाजों में संदीप ने रोहित शर्मा और क्रिस गेल को चार-चार बार आउट किया है। संदीप के आंकड़ों को अगर देखा जाए तो उन्होंने हर पैमाने पर जसप्रीत बुमराह की बराबरी की है। दोनों ने 90 मैच खेले हैं। बुमराह ने 105 विकेट लिए हैं तो संदीप ने 108। बुमराह का इकॉनोमी रेट और औसत 7.46 और 24.21 क्रमशः है जबकि संदीप के यह आंकड़े 7.75 और 24.02 हैं। इस सीजन आईपीएल में संदीप ने 11 मैचों में प्रति ओवर 7.34 रन देते हुए 13 विकेट लिए हैं। संदीप ने 2010 और 2012 अंडर-19 विश्व कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया है। वह 2012 में अन्मुक्त चंद की कप्तानी में विश्व कप जीतने वाली टीम का अहम हिस्सा थे और टूनार्मेंट में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों की सूची में पहले नंबर पर थे।

टीम के खराब प्रदर्शन पर बोलीं मिताली राज – लगातार मैच खेलना मुश्किल

शारजाह : वेलोसिटी टीम की कप्तान मिताली राज ने गुरूवार को स्वीकार किया कि उमस भरे हालात में महिला टी20 चैलेंज में 12 से भी कम घंटे के अंदर लगातार मैच खेलना मुश्किल था क्योंकि खिलाड़ियों को इससे उबरने का समय नहीं मिला। मिताली ने ट्रेलब्लेजर्स से मिली नौ विकेट की हार के बाद कहा कि जहां तक दोपहर में खेलने की बात है तो निश्चित रूप से हमें कल के मैच से उबरने के लिए 12 घंटे का भी समय नहीं मिला। इसलिए लड़कियों के लिए खुद को तैयार करना और बीती रात खेलने के बाद दोपहर में वापस खेलना मुश्किल रहा। अन्य दो टीमों को अपने मैचों के बीच आराम करने का दिन मिला है लेकिन वेलोसिटी को 24 से भी कम घंटे में लगातार दो मैच खेलने के अलावा दुबई और शारजाह के बीच यात्रा भी करनी पड़ी। इसके परिणामस्वरूप वेलोसिटी की टीम 15.1 ओवर में 47 रन पर सिमट गयी और ट्रेलब्लेजर्स ने यह लक्ष्य 7.5 ओवर में हासिल कर लिया। आईसीसी की शीर्ष रैंकिंग की टी20 गेंदबाज सोफी एक्लेस्टोन के बारे में मिताली ने कहा, ''इसलिये वह नंबर एक गेंदबाज है क्योंकि वह रणनीति के साथ उतरी और उसने तब तेजी से लेंथ एंव लाइन के साथ सामंजस्य बिठा लिया जब शेफाली ने उसकी गेंद को छक्के के लिए भेजा। इसलिए उसे पॉवरप्ले में विकेट मिले।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मिर्जापुर के कालीन भैया की बहू की बिंदास अदाएं

मिर्जापुर सीजन 2 में कालीन भैया की बहू माधुरी यादव का किरदार ईशा तलवार ने निभाया। ईशा ने अपनी खूबसूरती के बल पर तो सभी का ध्यान आकर्षित किया ही, साथ में दिखाया कि वे एक्टिंग करना भी अच्छे से जानती हैं।

मुख्यमंत्री के पिता की बेटी माधुरी वक्त आने पर कालीन भैया को ही राजनीति का पाठ पढ़ाते हुए खुद मुख्यमंत्री बन जाती हैं। माधुरी का पति मुन्ना शादी की रात ही बता देता है कि उसने मजबूरीवश शादी उसके साथ की है, लेकिन बाद में वह खुद माधुरी का दीवाना बन जाता है और यह कालीन भैया के लिए दूसरा झटका रहता है।

माधुरी के किरदार के रूप में सीरिज में ईशा हमेशा सिर पर पल्लू लिए नजर आती हैं। उनमें कई लोगों को कैटरीना कैफ का भी अक्स नजर आया। बहरहाल पर्सनल लाइफ में ईशा आधुनिक खयालों वाली महिला हैं और बिंदास तरीके से अपनी लाइफ जीती हैं।

22 दिसम्बर 1987 को मुंबई में जन्मी ईशा दक्षिण भारतीय फिल्में कर चुकी हैं। आयुष्मान खुराना के साथ 'आर्टिकल 15' में भी नजर आई थीं और बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट 'हमारा दिल आपके पास है' नामक हिंदी फिल्म भी कर चुकी हैं।

ड्रग रैकेट में रागिनी द्विवेदी और संजना गलरानी की जमानत याचिका फिर से खारिज

कन्नड़ अभिनेत्रियों रागिनी द्विवेदी और संजना गलरानी की जमानत याचिका कर्नाटक उच्च न्यायालय ने खारिज कर दी थी। न्यायमूर्ति श्रीनिवास हरीश कुमार ने आज सैंडलवुड ड्रग रैकेट में रागिनी, संजना और अन्य सह-आरोपियों द्वारा दायर जमानत याचिका पर सुनवाई की। उसी का विस्तृत आदेश के बाद जारी किया जाएगा। रागिनी को 4 सितंबर को, संजना को 8 सितंबर को ड्रग रैकेट मामले में गिरफ्तार किया गया था।

रागिनी और संजना को बेंगलुरु सेंट्रल क्राइम ब्रांच (ष्टष्टक्र) की हिरासत में लिया गया है, वे लगभग दो महीने से जमानत के लिए अर्जी दे रही हैं। हालांकि, कई मौकों पर उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी गई। पार्टियों में ड्रग्स खरीदने और सेवन करने के आरोप में रागिनी द्विवेदी और संजना गलरानी को गिरफ्तार किया गया है। उन पर नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम 1985 के तहत कई धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। रागिनी और संजना ने परप्पाना अग्रहारा जेल में अन्य कैदियों के साथ दशहरा मनाया। हाल ही में, संजना ने अपना जन्मदिन जेल में भी मनाया।

अगस्त के अंतिम सप्ताह में, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (ष्टष्टक्र) ने बेंगलुरु में कई ड्रग पेडलर्स को गिरफ्तार किया। जांच करने पर, उन्हें पता चला कि पैडलर्स अभिनेता, संगीतकार और अन्य हाई-प्रोफाइल व्यवसायी हैं। मामले में अब तक करीब 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

दिगंत, उनकी पत्नी ऐंद्रिता रॉय और एंकर अनुश्री को अधिकारियों ने पूछताछ के लिए बुलाया था। हालाँकि, वे मामले में गिरफ्तार नहीं हुए थे।

आमिर खान की बेटी इरा खान ने कहा कि 14 साल की उम्र में हुआ था मेरा शारीरिक शोषण

आमिर खान और उनकी पहली पत्नी बेटी रीना की बेटी इरा खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने चौंकाने वाला खुलासा किया है।

इरा के अनुसार जब वे 14 वर्ष की थीं तब उनका शारीरिक शोषण हुआ था। तब उन्हें पता ही नहीं था कि वो शख्स क्या कर रहा है। एक साल का समय उन्हें समझने में लगा। इसके बाद उन्होंने इस बारे में अपने माता-पिता को बताया। इरा के मुताबिक उन्हें यह सोच कर गुस्सा आता है कि यह सब उन्होंने कैसे होने दिया। इस वीडियो में उन्होंने अपने साथ होने वाली अच्छी-बुरी बातों और घटनाओं का भी जिक्र किया है। वे किन बातों को लेकर रोई और किन बातों से मजबूत बनी और माता-पिता के तलाक को लेकर भी उन्होंने बात की।

कुछ दिन पहले इरा ने अपने डिप्रेशन को लेकर खुलासा किया था कि वो चार साल से डिप्रेशन में हैं। उनका इलाज चल रहा है और वो काफी बेहतर हैं। इरा भी नहीं जानतीं कि वे डिप्रेशन में क्यों हैं?

अक्षय कुमार और कृति सेनन शुरू करेंगे शूटिंग, बच्चन पांडे का शेड्यूल तय

अक्षय कुमार और कृति सेनन शुरू करेंगे शूटिंग, बच्चन पांडे का शेड्यूल तय : अक्षय कुमार को लेकर फिल्म 'बच्चन पांडे' को अनाउंस हुए लंबा समय हो गया। फिल्म का फर्स्ट लुक भी जारी हो गया था और कृति सेनन के रूप में हीरोइन भी तय हो गई। क्रिसमस 2020 पर फिल्म को रिलीज करने की भी घोषणा हो गई, लेकिन इसके बाद फिल्म को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। इससे खुसपुस होने लगी कि यह फिल्म बंद हो गई है, लेकिन यह बात गलत निकली।

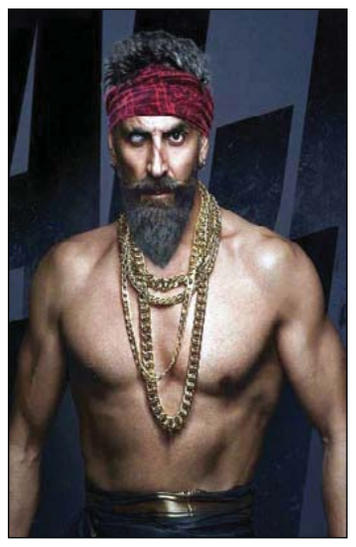

फिल्म बच्चन पांडे की शूटिंग की पूरी प्लानिंग हो गई है। शेड्यूल तय हो गया है। जनवरी 2021 से राजस्थान के जैसलमेर में फिल्म की शूटिंग शुरू होने वाली है। 60 दिन तक शूटिंग होगी जो रियल लोकेशन्स पर चलेगी। शूटिंग स्पॉट खोजे जा चुके हैं और परमिशन भी ले ली गई है। जनवरी से मार्च तक शूटिंग चलेगी।

जैसलमेर स्थित पैलेस होटल में बच्चन पांडे की टीम रूकेगी। पूरी टीम का दिसम्बर के अंत में कोविड टेस्ट होगा। रिपोर्ट निगेटिव आने पर टीम मुंबई से जैसलमेर जाएगी और तीन दिन तक क्वारेंटीन रहेगी। उसके बाद काम शुरू होगा। कोविड-19 को देखते हुए सारी सावधानियां बरती जाएंगी। सभी लोकेशन्स को लगातार सैनिटाइज किया जाएगा। एक मेडिकल टीम भी हमेशा मौजूद रहेगी। सेट पर 'नो-कांटेक्ट' का ध्यान रखा जाएगा।

फिल्म 'बच्चन पांडे' में अक्षय कुमार एक गैंगस्टर के रोल में हैं। कृति सेनन एक पत्रकार का रोल अदा कर रही हैं। दोनों की मुलाकात होती है। दोनों को सिनेमा का शौक है जो उन्हें नजदीक ले आता है। अक्षय एक्टर बनना चाहते हैं तो कृति डायरेक्टर। फिल्म में कॉमेडी भी है और एक्शन भी। फरहाद सामजी फिल्म का निर्देशन करेंगे।

बिग बॉस 14 : एजाज खान ने निक्की तम्बोली से धुलवाए अपने अंडर गारमेंट्स, हुआ बवाल

बिग बॉस 14 को शुरू हुए एक महीने का समय हो गया है लोगों ने घर में अब अपना गेम पूरी तरह से खेलना शुरू कर दिया है। इस हफ्ते घर के कैप्टन एजाज खान बनें हैं। घर का कैप्टन बनते ही एजाज के तेवर बदल गये हैं। एजाज खान ने घर के अंदर कैप्टन बनने के बाद अपना हुक्म चलाना शुरू कर दिया है। एजाज खान का जिनके साथ 1 महीनें में विवाद हुआ था वह अब सभी से बदला ले रहे हैं।

एजाज खान घर में सभी से काम करवा रहे हैं। ये सब गेम का पार्ट है लेकिन बदले के चक्कर में एजाज की एक हरकत की सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हो रही हैं। एजाज खान ने निक्की तंबोली से अपने अंडर गार्मेंट्स धुलवाये हैं। इस बात पर बीबी लवर्स ने एजाज के खिलाफ सोशल मीडिया पर बाते लिखना शुरू कर दिया। घर में वाइल्ड कार्ड एंट्री मारने वाली कविता कौशिश भी इस बात से काफी नाराज हुई हैं।

सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस काम्या पंजाबी और गौहर खान ने एजाज खान की जमकर क्लास लगायी हैं। एजाज खान की लड़की से अंडर गारमेंट्स धुलनावे वाली बाद पर दोनों ने जब कर क्लास लगायी हैं। काम्या पंजाबी ने लिखा, 'क्या... घर के कैप्टन ने एक लड़की से अपने अंडरगारमेंट्स धुलवाए हैं? क्या मैंने सही सुना है? ये बात जानकर मैं बहुत हैरान हूं।'

अपने दूसरे ट्वीट में काम्या पंजाबी ने लिखा, 'कविता कौशिक तुम्हारा गुस्सा बिल्कुल जायज है। पावर मिलते ही ये आदमी पागल हो गया है। अब मुझे समझ आ रहा है कि क्यों तुम इस अपना दोस्त मानने से इनकार कर रही हो।'

घर के अंदर सीनीयर बनकर आ चुकी गौहर खान ने भी एजाज खान की कैप्टनसी पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि ऐसा करने का हक उन्हें किसने दिया हैं। फैंस को भी एजाज का ये गेम अच्छा नहीं लगा।

कंगना रनौत को मुंबई पुलिस ने जारी किया दूसरी बार समन, पूछताछ के लिए होना होगा पेश

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद बॉलीवुड को सुशांत की मौत का जिम्मेदार माना था। तब से लेकर अब तक लगातार कंगना रनौत सुर्खियों में बनीं हुई हैं। कंगना ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत का जिम्मेदार बॉलीवुड में फैसे नेपोटिस्म और मूवी माफिया को ठहराया था। इसके बाद कंगना ने सुशांत के केस में लापरवाही दिखाने पर मुंबई पुलिस पर भी निशाना साधा। उन्होंने मुंबई पुलिस और महाराष्ट्र सरकार पर सुशांत की मौत के कारण को छुपाने का आरोप लगाया।

कंगना रनौत के सोशल मीडिया पर लगातर सख्त बयान आ रहे हैं। जहां सुशांत के फैंस कंगना को सपोर्ट कर रहे थे वहीं शिवसेना के नेता सहित कार्यकर्ता कंगना को धमकी दे रहे थे। लगातार धमकियों के बाद कंगना को केंद्र सरकार की तरफ से वाई सुरक्षा दी गयी। कंगना सोशल मीडिया पर लगातार अपनी बातों और विचारों को साझा करती रहती हैं। हाल ही में कंगना के दिये एक बयान पर लोगों ने उनपर धार्मिक भावनाएं भड़काने का आरोप लगाया है। इसके खिलाफ कंगना के खिलाफ एफआईआर भी करवायी गयी हैं जिसके चलते कंगना को मुंबई पुलिस ने समन जारी करके पूछताछ के लिए बुलाया था लेकिन वह नहीं पहुंची।

मुंबई पुलिस ने अभिनेत्री कंगना रनौत और उनकी बहन रंगोली चंदेल को अपनी टिप्पणियों के जरिये विभिन समुदायों के बीच कथित तौर पर वैमनस्य को बढ़ावा देने के मामले में बयान दर्ज कराने के लिये दूसरा नोटिस जारी किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इसके पहले बांद्रा पुलिस ने इस मामले में अभिनेत्री और उनकी बहन को बयान दर्ज कराने के लिए 21 अक्टूबर को पहला नोटिस जारी किया था।

हालांकि कंगना के वकील ने नोटिस का जवाब भेजा था जिसमें कहा गया था कि कंगना फिलहाल हिमाचल प्रदेश में हैं और अपने चचेरे भाई की शादी की तैयारियों में व्यस्त हैं। बांद्रा पुलिस ने अब दोनों को इस मामले में अपने बयान दर्ज कराने के लिए 10 नवंबर को थाने में मौजूद रहने के लिए दूसरा नोटिस भेजा है। बांद्रा मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत ने पिछले महीने बॉलीवुड के एक कास्टिंग डायरेक्टर और फिटनेस ट्रेनर मुनव्वर अली सैयद की शिकायत पर पुलिस को जांच करने के आदेश दिए थे।

यह शिकायत कंगना और उनकी बहन के कथित बयानों को लेकर की गई थी। इसके बाद बांद्रा पुलिस ने दोनों बहनों के खिलाफ भादसं की धारा 153-ए (विभिन्न धर्मों के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्य को बढ़ावा देना), 295-ए (धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला कृत्य जानबूझकर करना), 124-ए (राजद्रोह), 34 (साझा इरादे) के तहत प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने अभिनेत्री और उनकी बहन को पुलिस के सामने पेश होने को भी कहा था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दोनों के बीच सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

आर्मी चीफ नरवणे ने नेपाली समकक्ष से की मुलाकात

काठमांडू, एजेंसी। भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने गुरुवार को अपने नेपाली समकक्ष जनरल पूर्ण चंद्र थापा से मुलाकात की और दोनों सेनाओं के बीच सहयोग और मित्रता के मौजूदा संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के उपायों पर चर्चा की।

जनरल थापा के निमंत्रण पर जनरल नरवणे तीन दिवसीय यात्रा पर अभी काठमांडू में हैं। उनकी यात्रा काफी हद तक दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के मकसद से है। दोनों देशों के संबंध सीमा विवाद को लेकर तनावपूर्ण हो गए हैं। उन्होंने थापा से यहां उनके कार्यालय में मुलाकात की।

नेपाल थलसेना मुख्यालय द्वारा एक बयान के अनुसार, उन्होंने द्विपक्षीय हितों के मुद्दों के अलावा दोनों सेनाओं के बीच मित्रता और सहयोग के मौजूदा बंधन को और मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा की। बयान में कहा गया है कि उन्हें

नेपाली सेना के इतिहास और वर्तमान भूमिकाओं के बारे में भी अवगत कराया गया। बुधवार को काठमांडू पहुंचे नरवणे बृहस्पतिवार को सेना मुख्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। गुरुवार सुबह आर्मी पैविलियन में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद उन्हें सेना मुख्यालय में 'गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने पहले के वरिष्ठ सैन्य आगंतुकों की परंपरा के अनुसार सेना मुख्यालय में एक पेड़ भी लगाया। उन्होंने नेपाली सेना के दो फील्ड अस्पतालों के लिए वेंटिलेटर, एम्बुलेंस और चिकित्सा उपकरण भी सौंपे।

थापा ने नेपाल में बने 1,00,000 मेडिकल मास्क और शांति के प्रतीक के रूप में भगवान बुद्ध की एक मूर्ति नरवणे को भेंट की।

राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी बृहस्पतिवार को ही नरवणे को नेपाली सेना के जनरल रैंक की मानद उपाधि प्रदान करेंगी। वह शुक्रवार को प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली से मिलेंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आठ मई को उत्तराखंड में धारचूला को लिपुलेख दर्रे से जोड़ने वाली 80 किलोमीटर लंबी अहम सड़क का उद्घाटन किया था। उसके बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव में आ गया।

नेपाल ने सड़क के उद्घाटन का विरोध करते हुए दावा किया कि यह उसके भूक्षेत्र से होकर गुजरता है। इसके बाद नेपाल ने लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को अपने हिस्से के रूप में दिखाया।

अब कंपकंपाती ठंड में भी चीन की चाल को नाकाम करेगी इंडियन आर्मी, पूर्वी लद्दाख में तैनात जवानों को विशेष कपड़े मिले

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में वास्ताविक नियंत्रण रेखा पर चीन के साथ जारी गतिरोध के बीच भारतीय सेना ने अपने सैनिकों को और मजबूत किया है। पूर्वी लद्दाख में कंपकपी सर्दी के साथ सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों के लिए अमेरिका से कपड़े इम्पोर्ट किया गया हैं। अब कंपकंपाती ठंड में भी भारतीय सेना के जवान पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी के सैनिकों से डटकर मुकाबला करेंगे। रक्षा सूत्रों द्वारा बुधवार को जारी एक तस्वीर में दिखाया गया कि भारतीय सेना के एक जवान ने हाल ही में आर्मी को मिले एसआईजी सॉयर असॉल्ट राइफल के साथ सफेद पोशाक पहना हुआ है। सेना, चीन सीमा पर तैनाती के दौरान सर्दियों को मात देने में मदद करने के लिए सैनिकों को नए ठिकाने और कपड़े मुहैया करा रही है। सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना ने सियाचिन और पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में पश्चिमी मोर्चों सहित पूरे लद्दाख क्षेत्र में तैनात सैनिकों के लिए इन कड़क ठंड के मौसम के कपड़ों के सेट का 60,000 का स्टॉक रखा है। इस वर्ष, इन सेटों की अतिरिक्त 30,000 की आवश्यकता थी, क्योंकि एलएसी पर चीनी आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए इस क्षेत्र में करीब 90,000 सैनिक तैनात हैं।

भारत-चीन सैन्य कमांडरों के बीच आठवें दौर की वार्ता कल

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत-चीन के बीच जारी तनाव के दौरान दोनों देशों के सैन्य कमांडरों के बीच आठवें दौर की वार्ता छह नवंबर को चुशुल में होगी। पूर्व में हुई सात दौर की वार्ताओं में टकराव के बिन्दुओं का हल निकालने पर सहमति तो बनी, लेकिन जमीनी स्तर पर उनका क्रियान्वयन अब तक नहीं हुआ। सेना के सूत्रों ने छह नवंबर को आठवें दौर की बैठक होने की पुष्टि की है। बैठक में एलएसी पर जारी तनाव का हल निकलने की उम्मीद है। दोनों देश तनाव कम करने के लिए मई से पहले की स्थिति बहाल करने समेत अन्य मुद्दों पर सहमत हैं, लेकिन इस पर अमल में देरी हो रही है।

ओबामा से लेकर बिल क्लिंटन तक...जो बाइडेन ने तोड़ दिए अमेरिका में सभी के रिकॉर्ड

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटों की गिनती जारी है। अब तक के काउंटिंग में जो नतीजे सामने आए हैं, उसमें डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन बाजी मारते नजर आ रहे हैं। डेमोक्रटिक उम्मीदवार जो बाइडेन ने राष्ट्रपति पद के लिए निर्धारित 270 इलेक्ट्रोरल वोटों में से 264 वोट हासिल कर लिया है, जबकि मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 214 मत मिले हैं। लेकिन इस बीच जो बाइडेन ने एक ऐसा भी रिकॉर्ड बनाया है, जो अमेरिका के इतिहास में किसी और राष्ट्रपति उम्मीदवार ने भी नहीं बनाया है।

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन ने अमेरिका के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक वोट हासिल किया है। अब तक की गिनती में करीब 70 मिलियन से भी अधिक वोट पाकर जो बाइडेन ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। नेशनल पब्लिक रेडियो के मुताबिक, अब तक जो नतीजे सामने आए हैं, उसके अनुसार जो बाइडेन को 72,049,341 वोट मिले हैं जो किसी भी राष्ट्रपति उम्मीदवार को मिलने वाले वोटों से काफी अधिक है। इससे पहले साल 2008 में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को 69,498,516 वोट मिले थे, जो अब तक का रिकॉर्ड था। मगर जो बाइडेन ने उनसे अधिक वोट लाकर पिछला वोट रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

साल 1996 में बिल क्लिंटन को47401185 वोट मिले थे। फिलहाल, अमेरिका की बागडोर फिर से डोनाल्ड ट्रंप के हाथ में होगी या फिर जो बाइडेन सत्ता संभालेंगे, इसका फैसला काउंटिंग के जरिए हो रहा है। मगर अब तक के नतीजों के मुताबिक, जो बाइडेन इलेक्टोरल वोट के साथ-साथ करीब 3463182 वोटों से आगे चल रहे हैं। वोट फीसदी में भी करीब चार प्रतिशत का अंतर दिख रहा है।

एनपीआर के मुताबिक, अभी करोड़ों वोटों की गिनती बाकी है, जिसमें कैलिफोर्निया भी शामिल है। कैलिफोर्निया में अब तक करीब 64 फीसदी वोटों की गिनती हो चुकी है। हालांकि, ट्रंप को 68,586,160 वोट मिले हैं, जो ओबामा को मिले वोटों के करीब है। उम्मीद की जा रही है कि डोनाल्ड ट्रंप ओबामा को मिले वोटों के आंकड़े को छू लेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति बनने की रेस में आगे चल रहे जो बाइडेन बोले- हमें विश्वास है, हम जीतेंगे

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में वोटों की गिनती जारी है और अब तक की गिनती के मुताबिक, जो बाइडेन डोनाल्ड ट्रंप से काफी अगे चल रहे हैं। इस बीच डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बाइडेन ने कहा है कि मतगणना समाप्त होने पर वह राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत जाएंगे। बाइडेन ने बुधवार को कहा, 'देर रात तक चली मतगणना के बाद यह स्पष्ट हो गया कि हम राष्ट्रपति पद के लिए जरूरी 270 इलेक्टोरल वोट हासिल कर लेंगे।' उन्होंने कहा कि वह कोई घोषणा नहीं कर रहे हैं, लेकिन उन्हें विश्वास है कि वह जीत प्राप्त करेंगे।' बाइडेन के हवाले से कहा, 'हम डेमोक्रेट के तौर पर प्रचार रहे हैं, लेकिन मैं अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर काम करूंगा।' उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति का कार्यालय पक्षपातपूर्ण संस्था नहीं है। यह इस राष्ट्र का कार्यालय है, जो हर नागरिक का प्रतिनिधित्व करता है और सभी अमेरिकी नागरिकों ध्यान रखना इसका कर्तव्य है।

अगर हारने के बाद भी डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस की गद्दी छोड़ने से इनकार कर दें तो क्या होगा?

नई दिल्ली। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों के लिए वोटों की गिनती जारी है। अब तक के नतीजों में डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन, रिपब्लिकन उम्मीदवार व मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से काफी आगे चल रहे हैं।

हार-जीत का फैसला आने से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन अपनी-अपनी जीत का दावा कर चुके हैं। एक ओर जहां ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह चुनाव जीत रहे हैं, मगर वोट काउंटिंग में फ्रॉड रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएंगे, वहीं बाइडेन ने भी दावा किया है कि वह चुनाव जीत रहे हैं। नतीजों के बाद की कानूनी स्थिति से निपटने के लिए ट्रंप और बाइडेन अपनी-अपनी फौज के साथ तैयार हैं। ट्रंप ने अपने बयानों से जिस तरह के संकेत दिए हैं, उससे अमेरिका में इस बात का भय सता रहा है कि अगर ट्रंप चुनाव हार जाते हैं और वह आसानी से व्हाइट हाउस नहीं छोड़ने वाले हैं। अब अमेरिका समेत पूरी दुनिया में इस बात की चर्चा होने लगी है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप चुनाव हार गए और उन्होंने राष्ट्रपति पद छोड़ने से इनकार कर दिया, तब क्या होगा? हालांकि, यह कहना अभी पूरी तरह से संभव नहीं है कि ऐसी विषम और असामान्य परिस्थिति में कौन अहम रोल प्ले करेगा। मगर अगर कोई शख्स राष्ट्रपति चुनाव हार जाता है और वह व्हाइट हाउस से नहीं निकलता है तो उसे सत्ता से हटाने के लिए नवनिर्वाचित राष्ट्रपति और सीक्रेट सर्विस

की भूमिका अहम हो जाती है। बिजनेस इनसाइडर के मुताबिक, अगर हारने वाला राष्ट्रपति कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी व्हाइट हाउस पर कब्जा किए रहता है, तो नव-निर्वाचित राष्ट्रपति को संभवत: उस व्यक्ति को परिसर से निकालने के लिए सीक्रेट सर्विस को निर्देश देने की शक्ति होती है। क्योंकि चुनाव के नतीजे आने के बाद कोई भी संघीय एजेंट्स या एजेंसी हारने वाले राष्ट्रपति यानी अपने पुराने अध्यक्ष को रिपोर्ट नहीं करता। यहां यह भी ध्यान देने वाली बात है कि अगर राष्ट्रपति हारने के बाद अपने पद से हटने से इनकार करता है तो उसे कानूनी तौर पर हटाने के लिए अमेरिका के संविधान में भी किसी प्रावधान का जिक्र नहीं किया गया है। अंग्रेजी वेबसाइट 'इंडिपेंडेंट' के मुताबिक, अमेरिकी संविधान में इस बात का कोई जिक्र नहीं है कि अगर कोई राष्ट्रपति चुनाव हार जाता है और अपने प्रतिद्वंद्वी को सत्ता सौंपने से इनकार कर देता है तो मौजूदा राष्ट्रपति को कैसे हटाया जाए। ऐसे में ट्रंप के हार मानने से इनकार करने पर हालत भयावह हो सकते हैं। फिलहाल, जो बाइडेन वकीलों और संवैधानिक कानून के जानकारों की फौज के साथ डोनाल्ड ट्रंप के लीगल चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। ऐसी परिस्थिति इसलिए बनती दिख रही है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप ने इमेल के जरिए वोटिंग में धांधली होने का आरोप लगाया है और इसी को आधार बनाते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने ईमेल या डाक के जरिए मतदान (मेल-इन-बैलेट) पर शक जताया है। अमेरिका में कोरोना संक्रमण के चलते इस बार पोस्टल वोटिंग होगी। बीते दिनों व्हाइट हाउस में संवाददाताओं के सवाल कि अगर आप हारेंगे तो वे क्या करेंगे पर डोनाल्ड ट्रंप भड़क उठे थे। सत्ता के शांति से विपक्षी पार्टी को सौंपने से उन्होंने एक तरह से इनकार कर दिया था। ट्रंप ने कहा था कि क्या होगा, वो देखा जाएगा। उन्होंने कहा था कि वह लगातार बैलेट को लेकर शिकायत कर रहे हैं और बैलेट्स एक डिजास्टर है। उन्होंने कहा था कि कोई सत्ता का हस्तांतरण नहीं होगा। इससे पहले जून में जो बिडेन ने एक टीवी शो में कहा था कि उन्हें यकीन है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप चुनाव हार जाते हैं तो अमेरिका के सैन्य नेता ट्रंप को व्हाइट हाउस में नहीं रहने देंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव: जो बाइडेन का संकल्प, फिर से पेरिस समझौते में शामिल होगा अमेरिका

एजेंसी, वाशिंगटन। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन ने संकल्प लिया है कि उनके राष्ट्रपति बनने पर अमेरिका, जलवायु परिवर्तन पर ऐतिहासिक पेरिस समझौते में दोबारा शामिल होगा। बाइडेन ने अभी राष्ट्रपति पद के चुनाव में जीत दर्ज नहीं की है लेकिन वह धीरे-धीरे बहुमत की ओर बढ़ रहे हैं। राष्ट्रपति बनने के लिए 270 इलेक्टोरल मत प्राप्त करना आवश्यक है और बाइडेन को अब तक 264 मत मिल चुके हैं। अमेरिकी मीडिया की ओर से जारी ताजा रुझानों के मुताबिक उनके प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप को अब तक 214 इलेक्टोरल मत प्राप्त हुए हैं। अमेरिका ने चार नवंबर को औपचारिक रूप से 2015 के पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते से हाथ खींच लिए थे। बाइडेन ने बुधवार रात को ट्वीट किया, 'आज ट्रंप प्रशासन ने आधिकारिक तौर पर पेरिस जलवायु समझौते को औपचारिक रूप से त्याग दिया और 77 दिन बाद बाइडेन प्रशासन इसमें दोबारा शामिल होगा।' अमेरिका ने ओबामा प्रशासन के दौरान पेरिस समझौते पर 2016 में हस्ताक्षर किया था। इससे पहले अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जोए बाइडेन ने बुधवार को कहा, 'देर रात तक चली मतगणना के बाद यह स्पष्ट हो गया कि हम राष्ट्रपति पद के लिए जरूरी 270 इलेक्टोरल वोट हासिल कर लेंगे।' उन्होंने कहा कि वह कोई घोषणा नहीं कर रहे हैं, लेकिन उन्हें विश्वास है कि वह जीत प्राप्त करेंगे।

कोरोना वायरस से जल्द ठीक होने वाले मरीजों में बनी रहती है प्रभावी प्रतिरोधक क्षमता

एजेंसी,बोस्टन (अमेरिका)। अनुसंधानकर्ताओं ने कोविड-19 के उन मरीजों के उप समूह की पहचान की है, जो जल्दी ठीक हुए और शरीर में विकसित एंटीबॉडी ने कोरोना वायरस के खिलाफ तेजी से काम किया। उनके अनुसार कुछ लोग जो कोविड-19 से जल्दी ठीक हो जाते हैं, उनमें वायरस के खिलाफ प्रभावी और लंबे समय तक लड़ने की प्रणाली विकसित होती है।

वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इससे प्रतिरोधक प्रणाली के काम करने के तरीके की जानकारी और बीमारी के खिलाफ टीका विकसित करने में मदद मिलेगी। अमेरिका स्थित ब्रिघम एंड वुमेन हॉस्पिटल सहित विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों ने कोविड-19 के हल्के से मध्यम लक्षणों से ठीक हुए मरीजों की जांच की। उन्होंने पाया कि जहां एक ओर अधिकतर मरीजों में समय के साथ एंटीबॉडी के स्तर में कमी आ जाती है, वहीं कुछ लोगों में इस एंटीबॉडी का स्तर संक्रमण के बाद भी कई महीनों तक बना रहता है।

अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक पिछले अध्ययन में इस बारे में विरोधाभासी जानकारी दी गई थी। मौजूदा अनुसंधान के नतीजों को जर्नल सेल में प्रकाशित किया गया है। इसमें रेखांकित किया गया है कि लंबे समय तक कायम रहने वाले एंटीबॉडी कम समय तक लक्षण वालों में विकसित होते हैं। ब्रिघम एंड वुमेन हॉस्पिटल की सह शोधपत्र लेखक डुएने वेसिमैन ने कहा कि हमने उन लोगों के उप समूह का पता लगाया है, जिनमें कोविड-19 से ठीक होने के बाद स्थायी एंटीबॉडी विकसित हुए। इस अध्ययन में अनुसंधानकर्ताओं ने मार्च से जून 2020 तक बोस्टन के इलाके में कोविड-19 बीमारी से ठीक हुए 92 लोगों को शामिल किया। अध्ययन के मुताबिक इन मरीजों में से पांच को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जबकि बाकी का इलाज गृह एकांतवास में हुआ। वैज्ञानिकों ने बताया कि जिन लोगों में स्थायी एंटीबॉटी विकसित हुए, उनमें औसतन 10 दिन तक लक्षण रहा जबकि सामान्य एंटीबॉडी वालों में औसतन 16 दिन तक वायरस का असर रहा।

अमेरिका को चीन की धमकी, ताइवान को बेचे हथियार तो देंगे जवाब

बीजिंग। चीन ने बुधवार को संकल्प लिया कि अगर अमेरिका ताइवान को हथियार बेचने की योजना पर आगे बढ़ता है तो वह उचित और जरूरी जवाब देगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि ताइवान को 60 करोड़ डॉलर मूल्य के सैन्य ड्रोन की बिक्री चीन के आंतरिक मामलों में घोर हस्तक्षेप है और चीन की संप्रभुता व सुरक्षा हितों की गंभीर अनदेखी है। वांग ने संवाददाताओं के साथ दैनिक संवाद में कहा कि अमेरिका को ताइवान के साथ हुए ऐसे सभी बिक्री

(हथियारों) करारों को रद्द कर देना चाहिए ताकि चीन-अमेरिका के रिश्तों को और एवं ताइवान की शांति व स्थिरता को और नुकसान से बचाया जा सके। उल्लेखनीय है कि चीन, ताइवान पर अपना दावा करता है। वांग ने कहा कि उत्पन्न होने वाली परिस्थिति के अनुरूप उचित और जरूरी जवाब दिया जाएगा। गौरतलब है कि अमेरिका के विदेश विभाग ने मंगलवार को बताया कि उसने हथियार और अन्य उपकरणों से लैस आधुनिक श्रेणी के चार ड्रोन ताइवान को बेचने की मंजूरी दे दी है।

यूरोप में बड़ा खतरा बनकर उभर रहा आईएसआईएस, कहीं पुराने दिन तो नहीं लौट रहे?

नई दिल्ली। दुनिया में सबसे ज्यादा सुरक्षित व निश्चिंत माने जाने वाले यूरोप में आतंकी संगठन आईएसआईएस बड़ा खतरा बनकर उभर रहा है।

बीते कुछ महीनों में यूरोप के कई शहरों में हमले हुए, जिनमें कई लोगों को जान गंवानी पड़ी।

फ्रांस के बाद अब ऑस्ट्रिया के विएना में भी हुए आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली है। यूरोपोल की रिपोर्ट के मुताबिक, यूरोप के भीतर कट्टरपंथियों का एक ऐसा नया गुट पनप रहा है जिसे अपने धर्म के नाम पर हिंसा करने से गुरेज नहीं।

पुराने दिन तो नहीं लौट रहे

यूरोपीय देशों वर्ष 2012 से 2017 के बीच भी तमाम आत्मघाती हमले हुए। बमों-हथियारों से लैस आतंकियों ने स्टेडियम, हवाईअड्डों व कई सार्वजनिक स्थलों को निशाना बनाया जिसमें 100 से ज्यादा लोग मारे गए। इनमें ज्यादातर ऐसे लड़ाके शामिल थे जो खुद को आईएसआईएस के समर्थक बताते थे। एक बार फिर उसी तरह के हालात पैदा हो रहे।

फ्रांस के नीस का मामला हो या फिर ऑस्ट्रिया के विएना का, दोनों जगहों पर हमला करने वालों ने खुद को आईएस का समर्थक बताया है। इस्लामिक स्टेट ने भी अमाक न्यूज एजेंसी के जरिए बयान कर आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली। निर्दोष लोगों को गोलियां बरसाते एक आतंकी का वीडियो भी जारी किया है।

कितना बड़ा खतरा

यूरोपोल ने कुछ दिनों यूरोपीय देशों में आतंकवाद की बढ़ती घटनाओं, ट्रेंड पर एक रिपोर्ट जारी की। इसमें बताया कि कैसे महज 20-22 साल के युवा आईएस के चंगुल में फंस रहे हैं और हिंसक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

आतंकियों का मकसद, समाज में भय पैदा करना, फूट डालना, लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करना व खास वर्ग के लोगों का ध्रुवीकरण करना है। इसके लिए वे किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। एजेंसी ने कई चिंताएं भी व्यक्त की हैं।

रिपोर्ट की खास बातें

1. यूरोप के कुल 13 देशों में बीते साल 119 आतंकी हमलों की कोशिश हुई, जिनमें तमाम नाकाम कर दिए गए

2. कुल 1004 आतंकियों को गिरफ्तार किया गया, जो आईएसआईएस के समर्थक थे, या हमले की फिराक में थे

3. सबसे ज्यादा आईएस समर्थक बेल्जियम, फ्रांस, इटली, स्पेन और ब्रिटेन में आतंकरोधी एजेंसियों ने गिरफ्तार किए

4. पिछले साल भी यूरोपीय संघ में आतंकवादी हमलों के कारण दस लोगों की मौत हो गई और 27 लोग घायल हो गए

5. इस साल कम से कम 16 लोगों को इन हमलों की वजह से जान गंवानी पड़ी, सभी घटनाएं जेहादी आतंक से जुड़ी थीं

चिंता क्यों ज्यादा

1. वियना का एक हमलावर भी महज 20 साल का था, ऑस्ट्रिया में ही पैदा हुआ लेकिन इस्लामिक स्टेट के लिए लड़ने के लिए सीरिया चला गया था। पकड़ा गया, करीब 22 महीने की सजा हुई, सजा झेलकर लौटा तो फिर आंतकी गतिविधियों का हिस्सा बन गया। हमले से पहले उसने सोशल मीडिया पर एके-47 के साथ तस्वीर भी डाली। आईएस प्रमुख अबू इब्राहिम अल-हाशिमी अल-कुरैशी के प्रति निष्ठा की शपथ भी ली थी।

2. फ्रांस में भी बीते दिनों ऐसा ही हमला देखने को मिला। फ्रांस के दक्षिणी शहर ट्रेब्ज में एक बंदूकधारी ने एक सुपरमार्केट में कुछ लोगों को बंधक बना लिया और दो लोगों की हत्या कर दी। बताया गया कि हमला करने वाले शख्स ने खुद के आईएस से जुड़े होने की बात कही थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सारकॉइडोसिस को टी.बी न समझें

ट्यूबरकुलोसिस (टी.बी.) से मिलती-जुलती एक अन्य बीमारी है,जिसे सारकॉइडोसिस कहते हैं। टी.बी. की बीमारी की तरह यह भी शरीर के किसी भी भाग को प्रभावित कर सकती है, हालांकि 90 प्रतिशत रोगियों में यह रोग टी.बी. की तरह फेफड़ों को प्रभावित करता है।

पहले ऐसा समझा जाता है था कि सारकॉइडोसिस नाम की बीमारी देश में नहीं पायी जाती है, लेकिन पिछले कुछ सालों में इस रोग से काफी लोग ग्रस्त हो चुके हैं, जिसका सिलसिला जारी है। चूंकि इस रोग के लक्षण टी.बी. की बीमारी से मिलते-जुलते हैं। इसलिए दोनों में अंतर करना डॉक्टर और रोगी दोनों के लिए कठिन कार्य है। अक्सर ऐसा देखा गया है कि सारकॉइडोसिस के रोगी का इलाज टी.बी. की दवाओं से होता है। अंतत- डॉक्टर को यह पता चलता है कि पीड़ित व्यक्ति को टी.बी. की बीमारी थी ही नहीं और वह सारकॉइडोसिस की बीमारी से प्रभावित था।

लक्षण

- प्रारंभिक स्थिति में अधिकतर रोगियों में सूखी खांसी, हल्का बुखार, हाथ पैरों में दर्द और कभी-कभी सांस फूलना आदि लक्षण प्रकट होते हैं।
- जब बीमारी कुछ बढ़ने लगती है, तब फेफड़े के अंदर बड़ी-बड़ी गांठें बन जाती हैं और फेफड़े का आकार छोटा होता जाता है।
- रोगी की लगातर सांस फूलने लगती है और खांसी में आराम नहीं मिलता।
- जब शरीर के दूसरे अंग प्रभावित होते हैं, तब रोगी की तकलीफें बढ़ने लगती हैं। जैसे आंख के प्रभावित होने पर आंखों की रोशनी कम हो जाती है। त्वचा में कभी-कभी लाल रंग के चकत्ते बन जाते हैं। लिवर और तिल्ली का आकार बड़ा हो जाता है।
- कभी-कभी सारकॉइडोसिस से मस्तिष्क और गुर्दे पर भी असर होने लगता है। रोग की चरम अवस्था में हृदय व गुर्दे भी काम करना बंद कर देते हैं और पूरे शरीर में सूजन आ जाती है।
- शरीर में पानी की मात्रा अधिक होने से शरीर का वजन बढ़ जाता है और रोगी चल-फिर भी नहीं पाता। यह बीमारी की अंतिम अवस्था है। वैसे तो यह बीमारी गंभीर नहीं होती है, लेकिन जब गुर्दो और मस्तिष्क पर यह प्रभाव डालती है, तब यह लाइलाज बन जाती है।

उपचार

प्रारंभिक अवस्था में अधिकतर रोगियों में बीमारी स्वयं ही समाप्त हो जाती है, लेकिन रोग की अवस्था बढ़ने पर अधिकतर मामलों में दवाओं के नाम पर स्टेरॉयड का प्रयोग लगभग एक वर्ष तक किया जाता है। थोड़ी-सी सावधानी और जानकारी से इस बीमारी को प्रारंभिक अवस्था में ही पहचाना जा सकता है।

जब दम घुटता है पैरों का...

वैसे तो सी.वी.आई. नामक रोग पुरुषों और स्त्रियों दोनों को हो सकता है, लेकिन, महिलाओं में यह बीमारी सामान्य तौर पर गर्भावस्था या बच्चों को जन्म देने के बाद शुरू होती है। पहले यह रोग ज्यादातर ग्रामीण व शहरी अंचलों में रहने वाली महिला गृहणियों तक ही सीमित था, पर मौजूदा दौर में यह रोग युवकों वयुवतयों में तेजी से फैल रहा है। इसका कारण आज की आधुनिक जीवन-शैली व नये उभरते रोजगारों से संबंधित अपेक्षाएं हैं। शारीरिक व्यायाम व पैदल चलना आज के युग में नगण्य हो गया है। काल सेन्टर या रिसेप्शन काउन्टर पर काम करने वाले युवक व युवतियां इस रोग की शिकार हो रही हैं। स्टाक एक्सचेंज व बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तरों में कंप्यूटर के सामने घंटों पैर लटकाकर बैठने वालों में यह रोग तेजी से पनप रहा है। ट्रैफिक पुलिसमैन, व होटलों के रसोईघर में काम करने वाले लोग भी सी.वी.आई. से ग्रस्त हो रहे हैं।

क्यों बनते हैं ये निशान

शरीर के अन्य अंगों की तरह टांगों को भी ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है। यह ऑक्सीजन धमनियों (आर्टरीज) में प्रवाहित शुद्ध खून के जरिये पहुंचायी जाती है। टांगों को ऑक्सीजन देने के बाद यह ऑक्सीजनरहित अशुद्ध रक्त शिराओं (वेन्स) के जरिये वापस टांगों से ऊपर फेफड़े की तरफ शुद्धीकरण के लिये ले जाया जाता है। इसका मतलब यह हुआ कि ये शिराएं टांगों के ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण करती हैं। शिराओं की कार्यप्रणाली अगर किसी कारण से शिथिल हो जाती है, तो टांग व पैर का ड्रेनेज सिस्टम चरमरा जाता है। इसका परिणाम यह होता है कि अशुद्ध खून ऊपर चढ़कर फेफड़े की ओर जाने की बजाय टांगों के निचले हिस्से में इकज्ञ होने लगता है। फिर शुरू होता है पैरों में सूजन और काले निशानों का उभरना। अगर समय रहते इनका समुचित इलाज किसी वैस्क्युलर सर्जन से नहीं कराया गया, तो टांगों में उभरे काले निशान धीरे-धीरे और गहरे व आकार में बढ़ते जाते हैं, जो अंतत- लाइलाज घावों में परिवर्तित हो सकते हैं।

कारण

सी. वी. आई. के पनपने के कई कारण हैं। इनमें सबसे ज्यादा प्रमुख हैं डीप वेन थ्रॉम्बोसिस यानी डी.वी.टी.। इस रोग में टांगों की (शिराओं) में रक्त के कतरे जमा हो जाते हैं। ये कतरे बीमारी के बाद अक्सर पूरी तरह गायब नहीं हो पाते और अगर कुछ हद तक गायब हो भी जाते हैं, तो भी वेन के अंदर स्थित कपाटों को नष्ट कर देते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि शिराओं के जरिये अशुद्ध खून के ऊपर चढ़ने की प्रक्रिया बुरी तरह से बाधित हो जाती है। डी. वी. टी. के कुछ रोगियों में खून के कतरे शिराओं के अंदर स्थायी रूप से मौजूदरहते हैं।

व्यायाम न करना

सी. वी. आई. का दूसरा प्रमुख कारण व्यायाम न करने और पैदल कम चलने से संबंधित है। रोजाना पैदल कम चलने से या टांगों की कसरत न करने से टांगों की मांसपेशियों द्वारा निर्मित पम्प (जो अशुद्ध खून को ऊपर चढ़ाने में मदद करता है) कमजोर पड़ जाता है। कुछ लोगों की शिराओं में स्थित कपाट (वाल्व) जन्म से ही ठीक से विकसित नहीं हो पाते, ऐसे रोगियों में सी.वी.आई. के लक्षण कम उम्र में ही प्रकट होने लगते हैं।

जांचें

काले निशानों का कारण जानने के लिए वेन्स डॉप्लर स्टडी, एम. आर. वेनोग्राम, व कभी-कभी एंजियोग्राफी का सहारा लिया जाता है। रक्त की जांचें भी करायी जाती हैं।

इलाज

इन विशेष जांचों के आधार पर ही सी. वी. आई. के इलाज का निर्धारण किया जाता है। ज्यादातर रोगियों में दवा देने से और विशेष व्यायाम करने से राहत मिल जाती है, लेकिन कुछ रोगियों में ऑपरेशन की आवश्यकता पड़ती है। मौजूदा दौर में वेन्स वाल्वोप्लास्टी, एक्सीलरी वेन ट्रांसफर या वेन्स बाईपास सर्जरी जैसी आधुनिकतम तकनीकों की मदद से रोग को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

सजगता बरतें

अगर आपकी टांगों पर काले निशान हैं, तो ये सावधानियां बरतें.

1. टांग व कमर के चारों ओर कसे हुए कपड़े न पहनें। पुरुष टाइट अंडरवियर व महिलाएं टाइट पैन्टी न पहनें। कमर बेल्ट टाइट न बांधें। टाइट बेल्ट खून की वापसी में रुकावट डालती है।
2. ऊंची एड़ी के जूते व सैंडल का इस्तेमाल न करें। नीची एड़ी वाले जूते टांगों की मांसपेशियों को हमेशा क्रियाशील रखते हैं। यह स्थिति वेन्स व टांगों के ड्रेनेज सिस्टम के लिए लाभदायक है।
3. जॉगिंग, एरोबिक्स या ऐसा कोई उछल-कूद वाला व्यायाम न करें, जिसमें पैर के घुटनों पर बार-बार झटके लगें। इस तरह के व्यायाम वेन्स को फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान ज्यादा पहुंचाते हैं। बगैर झटके वाले, पैर उठाने वाले और टांगें मोड़ने वाले व्यायाम वेन्स के लिये लाभप्रद हैं।
4. ऐसी शारीरिक मुद्रा(पोस्चर्स) से बचें, जिसमें लंबे समय तक बैठना या खड़े रहना पड़ता हो। ऑफिस में या घर पर एक घंटे से ज्यादा वक्त तक न तो पैर लटकाकर बैठे रहें और न ही लगातार खड़े रहें। इस तरह की स्थितियों में एक घंटा पूरा हो जाने पर पांच मिनट का अंतराल लें। इस अंतराल के दौरान दोनों पैरों को अपने सामने किसी स्टूल के सहारे ऊंचा रखें।
5. खाने में तेल व घी का प्रयोग बहुत कम मात्रा में करें। कम कैलोरी वाले और रेशेदार खाद्य पदार्थ वेन्स के लिए लाभप्रद हैं।
6. अपने वजन पर नियत्रंण रखें। वजन कम करने से वेन्स पर पड़ने वाला अनावश्यक दबाव कम हो जाता है।
7. रात में सोते समय पैरों के नीचे एक या दो तकिये लगाएं जिससे पैर छाती से दस या बारह इंच ऊपर रहें। ऐसा करने से पैरों में ऑक्सीजनरहित खून के इकज्ञ होने की प्रक्रिया शिथिल पड़ जाती है जो सी.वी.आई. रोग से ग्रस्त पैरों के लिये अत्यन्त लाभकारी है।
8. दिन के समय विशेष तकनीक से निर्मित दबाव वाली जुराबें टांगों में पहनें। इस संदर्भ में विशेषज्ञ डॉक्टर से परामर्श लें। सुबह बिस्तर से उठते ही इन विशेष जुराबों को अपनी टांगों पर चढ़ा लें और दिन भर पहने रखें। ये जुराबें पैरों में खून का प्रवाह बढ़ाती हैं और गुरुत्वाकर्षण से नीचे की तरफ होने वाले खून के दबाव को कम करती हैं। इस वजह से सी.वी.आई. रोग को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

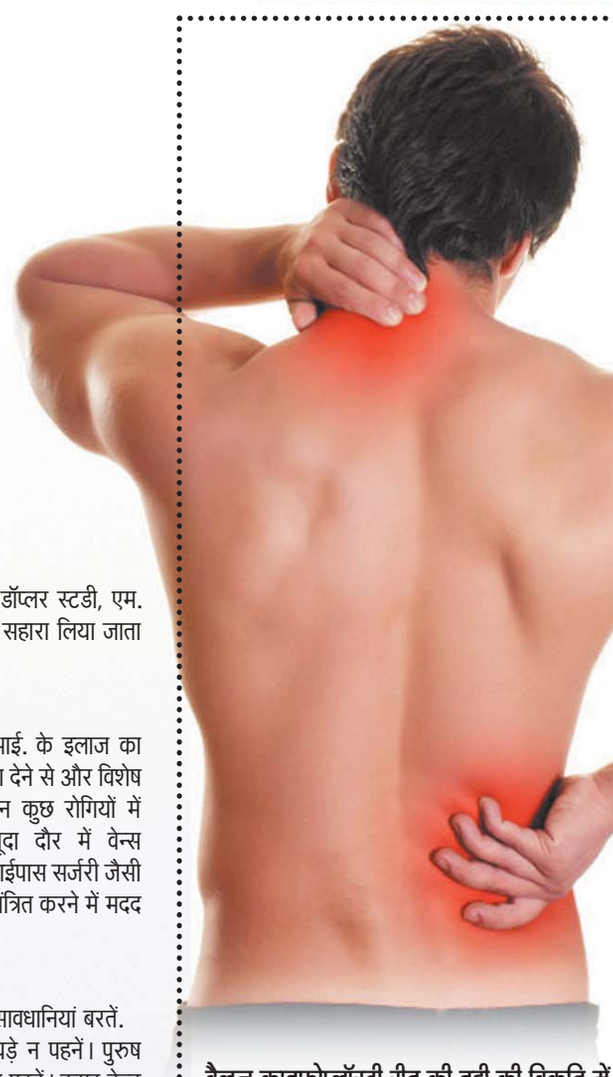

बैलून काइफोप्लॉस्टी रीढ़ की हड्डी की विकृति में भी कारगर है, तो किसी हादसे के चलते रीढ़ की हड्डी में होने वाले फैक्चर में भी। इसके अलावा यह स्पाइन के ट्यूमर में और ऑस्टियोपोरोसिस के कारण होने वाले फैक्चर में भी प्रभावी है।

बैलून काइफोप्लॉस्टी स्पाइन फैक्चर का सटीक इलाज

रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) के फैक्चर के इलाज में बैलून काइफोप्लॉस्टी बेहतरीन तकनीक के रूप में सामने आ चुकी है। बैलून काइफोप्लॉस्टी रीढ़ की हड्डी की विकृति में भी कारगर है, तो किसी हादसे के चलते रीढ़ की हड्डी में होने वाले फैक्चर में भी। इसके अलावा यह स्पाइन के ट्यूमर में और ऑस्टियोपोरोसिस के कारण होने वाले फैक्चर में भी प्रभावी है।

क्या है यह तकनीक?

बैलून काइफोप्लॉस्टी तकरीबन एक घंटे की प्रक्रिया है, जिसके अंतर्गत रीढ़ की टूटी हड्डी में सुधार किया जाता है। इसमें बैलून की मदद से टूटी हड्डी को उठाकर सही स्थिति में रखते हैं। फैक्चर ग्रस्त हड्डी को ठीक रखने के लिए बोन सीमेंट लगाया जाता है। इसके बाद रोगी को एक दिन तक देखभाल के लिए रखा जाता है, लेकिन रोगी की मेडिकल जरूरत के हिसाब से इसे बदला भी जा सकता है। इस प्रक्रिया के बाद रोगी को एक घंटे के लिये निगरानी कक्ष में रखने के बाद रिकवरी रूम में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इसके अच्छे परिणामों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 90 प्रतिशत रोगियों को 24 घंटे में ही दर्द से आराम मिल जाता है। बैलून काइफोप्लास्टी की प्रक्रिया शुरू करने से पहले रोगी की कई मेडिकल जांचें जैसे एक्स रे, एमआरआई, सीटी स्कैन और डेक्सा स्कैन आदि करायी जाती हैं।

पारंपरिक सर्जरी और बैलून काइफोप्लास्टी

पारंपरिक सर्जरी में ज्यादा चीर-फाड़ की जाती है। इस स्थिति में रोगी की रीढ़ की हड्डी के मुलायम टिश्यूज और मांसपेशियों को नुकसान पहुंच सकता है। वहींबैलून काइफोप्लास्टी में बहुत कम चीर-फाड़ की जाती है, जिससे रोगी के रक्त का ज्यादा नुकसान नहीं होता। इसमें रोगी के रीढ़ की हड्डी के मुलायम टिश्यू और मांसपेशियों को भी ज्यादा क्षति नहींपहुंचती।

क्या हैं फायदे

बैलून काइफोप्लास्टी के कुछ फायदे इस प्रकार हैं..

- रोगी की जल्दी रिकवरी होती है। 24 घंटे के अंदर चलने-फिरने में समर्थ हो जाता है।
- रक्त का कम नुकसान होता है।
- संक्रमण होने का खतरा कम रहता है।
- शरीर पर निशान नाममात्र के पड़ते हैं।
- रीढ़ की हड्डी के टिश्यूज और मांसपेशियों का नुकसान कम होता है।
- ऑपरेशन के बाद रोगी को दर्द कम होता है।
- जल्द ही व्यक्ति रोजमर्रा की जिंदगी के काम करने में सक्षम हो जाता है।

स्वास्थ्य रक्षा के अनमोल सूत्र

जो व्यक्ति शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक दृष्टि से स्वस्थ होता है, वही पूर्ण स्वस्थ कहलाता है। स्वास्थ्य को सबसे पहला सुख माना गया है।

- उदय होता हुआ सूर्य हृदय रोगियों के लिए अमृत तुल्य होता है। उदय होते सूर्य की हल्की लाल किरणों में जीवनी-शक्ति हुआ करती है जिसमें अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है। पीलिया (जॉन्डिस), रक्ताल्पता, सिर के सभी रोग तथा अंगों के दर्द को दूर करने की इसमें अद्भुत क्षमता होती है।
- प्रातः कालीन शुद्ध वायु प्राणशक्ति को प्रदान कर दीर्घायु प्रदान करती है। शुद्ध वायु में टहलना, प्राणायाम करना, मंदाग्नि एवं कब्ज से छुटकारा दिलाता है। शुद्ध वायु हृदय रोगियों के लिए अनमोल औषधि है क्योंकि वह हृदय को शक्ति प्रदान कर शरीर के दोषों को निकालती है, अतः प्रातः काल टहलना आवश्यक है।
- प्रातः काल शौच से पूर्व कम से कम दो गिलास स्वच्छ जल पीना स्वास्थ्य के लिए अमृत तुल्य होता है क्योंकि इससे कब्ज की शिकायत दूर होती है। कब्ज को हर बीमारी की जड़ माना जाता है।
- नत्य हल्का-फुल्का व्यायाम करके सम्पूर्ण दिन फुर्ती का अनुभव किया जा सकता है। स्वास्थ्य एवं बल के अनुसार योगासन अवश्य ही करते रहना चाहिए। हृदय रोगी, उच्च रक्तचाप, दमा आदि के रोगियों को व्यायाम नहीं करना चाहिए।
- कम खाने वालों की अपेक्षा अधिक खाने वालों की संसार में अधिक मृत्यु होती है। खाने के लिए जीने से बेहतर होता है जीने के लिए खाना। आदत डालकर प्रतिदिन भोजन समय पर ही करना चाहिए। प्रोटीन, विटामिन, वसा, खनिज लवण युक्त संतुलित पदार्थों को ही खाएं। तनाव रहित होकर स्थिर मन से भोजन करने से स्वास्थ्य में वृद्धि होती है। तन्मय होकर प्रसन्न मुद्रा में स्वाद के साथ भोजन करने से आंतरिक संतुष्टि तो होती ही है साथ ही पाचन संबंधी बीमारियां भी दूर होती हैं।
- स्वस्थ जीवन के लिए विधिवत नींद का आना भी बहुत जरूरी है। विधिवत निद्रा के सेवन से संतोष, सुख, ज्ञान तथा जीवनी-शक्ति प्राप्त होती है। इसके विपरीत अनिद्रा अनेक विकारों तथा रोगों को जन्म देती है। नियत समय के विपरीत सोने से भी आयु क्षीण होती है, साथ ही स्मरण शक्ति, निर्णय शक्ति जैसी उपयोगिताओं का भी ह्रास होता है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

थलसेना प्रमुख नरवणे ने नेपाली समकक्ष से की मुलाकात, दोनों सेनाओं के बीच सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

काठमांडू। (एजेंसी)

भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने बृहस्पतिवार को अपने नेपाली समकक्ष जनरल पूर्ण चंद्र थापा से मुलाकात की और दोनों सेनाओं के बीच सहयोग और मित्रता के मौजूदा संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के उपायों पर चर्चा की। जनरल थापा के निमंत्रण पर जनरल नरवणे तीन दिवसीय यात्रा पर अभी काठमांडू में हैं। उनकी यात्रा काफी हद तक दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के मकसद से है। दोनों देशों के संबंध सीमा विवाद को लेकर तनावपूर्ण हो गए हैं। उन्होंने थापा से यहां उनके कार्यालय में मुलाकात की।

नेपाल थलसेना मुख्यालय द्वारा एक बयान के अनुसार, उन्होंने द्विपक्षीय हितों के मुद्दों के अलावा दोनों सेनाओं के बीच मित्रता और सहयोग के मौजूदा बंधन को और मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा की। बयान में कहा गया है कि उन्हें नेपाली सेना के इतिहास और वर्तमान भूमिकाओं के बारे में भी अवगत कराया गया। बुधवार को काठमांडू पहुंचे नरवणे बृहस्पतिवार को सेना मुख्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। बृहस्पतिवार सुबह 'आर्मी पैविलियन' में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद उन्हें सेना मुख्यालय में 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

उन्होंने पहले के वरिष्ठ सैन्य आगंतुकों की परंपरा के अनुसार सेना मुख्यालय में एक पेड़ भी लगाया। उन्होंने नेपाली सेना के दो 'फील्ड' अस्पतालों के लिए वेंटिलेटर, एम्बुलेंस और चिकित्सा उपकरण भी सौंपे। थापा ने नेपाल में बने 1,00,000 मेडिकल मास्क और शांति के प्रतीक के रूप में भगवान बुद्ध की एक मूर्ति नरवणे को भेंट की। राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी बृहस्पतिवार को ही नरवणे को नेपाली सेना के जनरल रैंक की मानद उपाधि प्रदान करेंगी। वह शुक्रवार को प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली से मिलेंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आठ मई को उत्तराखंड में धारचूला को लिपुलेख दर्रे से जोड़ने वाली 80 किलोमीटर लंबी अहम सड़क का उद्घाटन किया था। उसके बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव में आ गया। नेपाल ने सड़क के उद्घाटन का विरोध करते हुए दावा किया कि यह उसके भूक्षेत्र से होकर गुजरता है। इसके बाद नेपाल ने लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को अपने हिस्से के रूप में दिखाया। नेपाल द्वारा नक्शा जारी किए जाने के बाद भारत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा था कि यह एकतरफा कृत्य है। भारत ने नेपाल को आगाह करते हुए कहा था कि क्षेत्रीय दावों की कृत्रिम वृद्धि उसे स्वीकार्य नहीं होगी।

सार समाचार

डोटासरा ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना, कहा- दलित व महिलाओं के उत्पीड़न मामलों को लेकर गंभीर नहीं

जयपुर। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह दलित व महिलाओं के उत्पीड़न के मामलों को लेकर गंभीर नहीं है। वे महिला व दलित उत्पीड़न को लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर शहीद स्मारक पर आयोजित धरने को संबोधित कर रहे थे। डोटासरा ने कहा कि हाथरस की घटना ने हम सबको व भारतीय संस्कृति को झंझोर कर रख दिया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, बिहार सहित भाजपा शासित राज्यों में आये दिन घटनायें घटित हो रही हैं लेकिन भाजपा की केन्द्र व राज्य सरकारें हर मामले में लीपापोती कर रही हैं और पुलिस के दम पर आम आदमी की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। डोटासरा ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनावों के साथ भाजपा की उल्टी गिनती शुरू हो जायेगी और आगामी लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी पूर्ण बहुमत हासिल करेगी। धरने में प्रदेश कांग्रेस के निवर्तमान उपाध्यक्ष मुमताज मसीह, पूर्व राज्यसभा सदस्यअशकअली टाक, एआईसीसी के पूर्व सचिव संजय बापना सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का फैसला स्कूल ट्यूशन फीस के अतिरिक्त नहीं ले सकते कोई फीस

जबलपुर। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय गुरूवार को एक ने अहम फैसला सुनाते हुए अभिभावकों को राहत दी है। उच्च न्यायालय ने अपने अंतरिम आदेश में व्यवस्था दी कि जब तक नियमित स्कूल नहीं खुलते राज्य के निजी स्कूल कोरोना काल में ट्यूशन फीस के अतिरिक्त कोई अन्य फीस नहीं ले सकते। कोर्ट ने कहा कि राज्य शासन का निर्णय इस सिलसिले में मान्य होगा। किसी भी छात्र को कोरोना काल में मनमानी फीस के जरिये परेशान करना उचित नहीं होगा। गुरुवार को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजय यादव की अध्यक्षता वाली युगलपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई।

दुनिया का सबसे बड़ा होगा केरल का हाथी देखभाल केंद्र, होंगी आधुनिक सुविधाएं

तिरुवनंतपुरम। केरल के कोट्टूर के निकट स्थित हाथी पुनर्वास केंद्र को इस विशालकाय प्राणी के लिये दुनिया के सबसे बड़े इलाज और देखभाल केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां आधुनिक सुविधायें होंगी। कोट्टूर का मौजूदा हाथी देखभाल केंद्र राजधानी से 25 किलोमीटर दूर स्थित है। इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार समुन्नत किया जा रहा है। यह सरकार के हाथी संरक्षण कार्यक्रम का हिस्सा है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस केंद्र को समुन्नत करने का मकसद पुनर्वास के लिये यहां आने वाले हाथियों को वन की तरह प्राकृतिक माहौल उपलब्ध कराना है।

विशाखापट्टनम के इस्पात संयंत्र में तेल रिसाव के चलते लगी आग, कोई हताहत नहीं

विशाखापट्टनम। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम इस्पात संयंत्र में बृहस्पतिवार तड़के ऊर्जा संयंत्र-2 की ल्यूब्रिकेंट प्रणाली से तेल रिसाव के चलते मामूली आग लग गई। संयंत्र की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है और न ही उत्पादन पर कोई प्रभाव पड़ा है। विज्ञप्ति में कहा गया है, बृहस्पतिवार (05.11.2020) को तड़के करीब पौने पांच बजे ऊर्जा संयंत्र-2 के टर्बाइन एरिया में ल्यूब्रिकेंट प्रणाली से तेल रिसाव के चलते आग लग गई। विज्ञप्ति में कहा गया है कि आग बुझाने के लिये सीआईएसएफ अग्निशमन सेवा की मदद मांगी गई और उसने घटनास्थल पर पहुंचकर तत्काल आग पर काबू लिया। विज्ञप्ति के अनुसार, नुकसान का आकलन किया जा रहा है। ऊर्जा संयंत्र-2 में जल्द से जल्द काम शुरू करने की कोशिशे जारी हैं।

अरविंद केजरीवाल ने दिल्लीवासियों से की अपील, बोले- इस दिवाली भी पटाखों से करें परहेज

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण महानगर में कोविड-19 की स्थिति बिगड़ रही है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने लोगों से इस दिवाली पटाखों से परहेज की अपील की। वीडियो कान्फ्रेंस के जरिये पत्रकारों से बात करते हुए केजरीवाल ने कहा कि 14 नवंबर को वह अपने कैबिनेट मंत्रियों के साथ किसी स्थान पर शाम 7.39 बजे लक्ष्मी पूजा करेंगे। उन्होंने दिल्लीवासियों से आग्रह किया कि सीधे प्रसारण के जरिये वे अपने-अपने घरों सेइस पूजा में शामिल हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में, दिल्ली दो समस्याओं- कोविड-19 महामारी और बढ़ते वायु प्रदूषण का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि आप सरकार स्थिति से निपटने के लिए सभी प्रयास कर रही है। वायु प्रदूषण बढ़ने के कारण लोगों से पटाखे फोड़ने से बचने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण कोविड-19 की स्थिति बिगड़ रही है।

पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ा सकती है शिवराज सरकार, पूर्व मंत्री ने जाहिर की आशंका

भोपाल। आने वाले दिनों में भाजपा की शिवराज सरकार पेट्रोल-डीजल पर वैट बढ़ाकर दामों में इजाफा कर प्रदेशवासियों पर मंहगाई का चाबुक चलाना चाहती है। यह आशंका व्यक्त कि है मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष, पूर्व मंत्री तथा वर्तमान मीडिया अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आशंका व्यक्त करते हुए कहा है कि दलगत राजनीति से उठकर यह सोचना चाहिए कि पहले से ही मंहगाई की मार झेल रहे प्रदेश के लोगों पर पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाकर खजाना भरना क्या उचित है। उन्होंने प्रदेश में बढ़ रहे आर्थिक संकट पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि शिवराज सरकार उप चुनाव के नतीजे आने से पहले पेट्रोल-डीजल के दाम बढा सकती है। उन्होंने कहा कि पिछले कई महिनों से सरकार के कई विभागों में कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल रहा है। नगरीय निकायों और शिक्षा विभाग में कर्मचारियों को पिछले छह माह से वेतन नहीं मिला है। जीतू पटवारी ने कहा कि प्रदेश में ढेड लाख से अधिक पद खाली है, बैकलॉक के पद खाली पड़े हुये है। जिस पर राज्य सरकार को बेरोजगारों को भर्ती करना है, लेकिन सरकार का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं राजनैतिक भावना से ऊपर उठकर यह बता कहना चाहता हूँ कि कांग्रेस की कमलनाथ सरकार का एक विजन था। कमलनाथ जी ने प्रत्येक जिले और ब्लाक में फूड प्रोसेसिंग की यूनिट लगाने की परिकल्पना की थी। उद्योग बढ़ाने का उनका विजन था जिससे राज्य के हर नौजवान को रोजगार मिले और यह कोशिश थी कि उस बेरोजगार को उसके ही जिले और ब्लाक में रोजगार मिले।

भारत-चीन गतिरोध पर बोले राजनाथ, अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत 'एकपक्षवाद और आक्रामकता' से अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। सिंह का यह बयान पूर्वी लद्दाख में सीमा पर चीन के साथ सात महीने से जारी गतिरोध के बीच आया है। रक्षामंत्री ने साथ ही कहा कि भारत संवाद से मतभेदों के शांतिपूर्ण समाधान को महत्व देता है और सीमा पर शांति कायम रखने से जुड़े विभिन्न समझौतों का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय द्वारा आयोजित डिजिटल संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, ''बहरहाल, भारत एकपक्षवाद और आक्रामकता से अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।'' उन्होंने कहा कि भारत शांतिप्रिय देश है और उसका मानना है कि मतभेद, विवाद में तब्दील नहीं होने चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारत और चीन के बीच सीमा पर गतिरोध की शुरुआत छह मई को हुई और इससे दोनों देशों के रिश्ते काफी प्रभावित हुए हैं। दोनों पक्ष गतिरोध दूर करने के लिए राजनयिक और सैन्य स्तर पर कई दौर की बातचीत कर चुके हैं। अबतक गतिरोध का समाधान नहीं निकला है।

भारत और चीन के बीच आठवें दौर की कोर कमांडर स्तर की वार्ता शुक्रवार को होने की उम्मीद है।

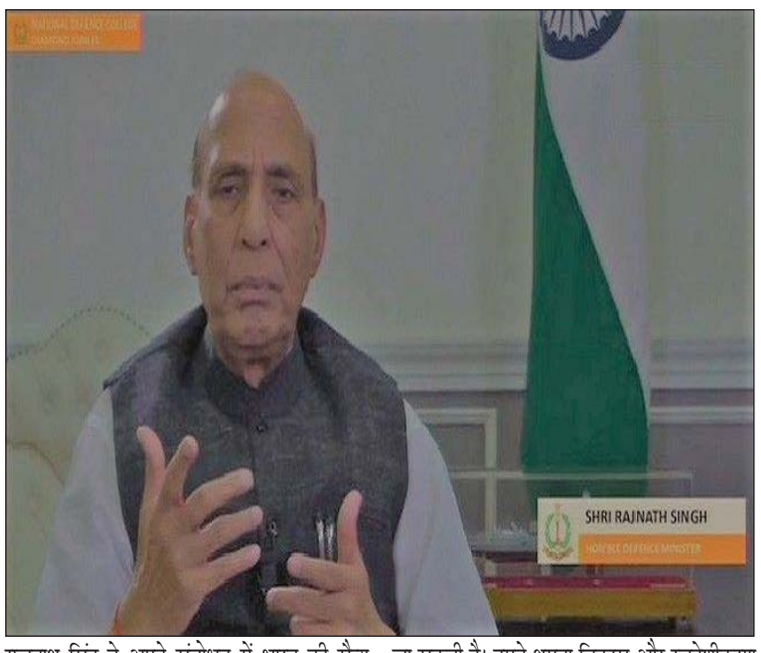

राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में भारत की सैन्य शक्ति बढ़ाने और रक्षा क्षेत्र के साजो-सामान का घरेलू स्तर पर उत्पादन के लिए उठाए जा रहे कदमों का भी उल्लेख किया। सिंह ने कहा, '' युद्ध रोकने की प्रतिरोधी क्षमता हासिल कर के ही शांति सुनिश्चित की जा सकती है। हमने क्षमता विकास और स्वदेशीकरण के साथ प्रतिरोधी क्षमता निर्माण करने की कोशिश की है।'' रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान के बारे में कहा कि वह आतंकवाद को राजकीय नीति के तौर पर इस्तेमाल करने पर 'आमादा' है।

कर्नाटक में लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाएगी येदियुरप्पा सरकार, दिए यह संकेत

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार लव जिहाद के नाम पर धर्मांतरण पर लगाम लगाने के लिये कड़े कदम उठाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में कर्नाटक में लव जिहाद के नाम पर धर्मांतरण की खबरें आई हैं। मैंने इस बारे में अधिकारियों से बात की है। दूसरे राज्य क्या कर रहे हैं या क्या नहीं कर रहे, यह अलग बात है। लेकिन कर्नाटक में इस पर लगाम लगाई जाएगी। मंगलुरु में भाजपा की राज्य कार्यकारिणी की सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ऐसी गतिविधियों के खिलाफ कड़े कदम उठाने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की युवा लड़कियों का प्यार और पैसे के नाम पर बहला-फुसलाकर धर्मांतरण किया जा रहा है। हमने इस पर गंभीरता से विचार किया है। काफी-विचार विमर्श के बाद, हम कड़ा कदम उठाएंगे। इससे पहले कर्नाटक के गृह मंत्री बासवराज बोम्मई ने बुधवार को कहा था कि सरकार शादी के लिये धर्मांतरण को रोकने को लेकर कानून लाने पर विचार कर रही है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सी टी रवि ने भी हाल ही में ट्वीट किया था कि इलाहबाद उच्च न्यायालय के आदेश को ध्यान में रखते हुए कर्नाटक में शादी के लिये धर्मांतरण को रोकने को लेकर कानून लाया जाएगा। इलाहबाद उच्च न्यायालय ने हाल ही में एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा था कि शादी करने के लिये धर्मांतरण किया जाना वैध नहीं है।

पंजाब और हरियाणा में किसानों ने शुरू की राष्ट्रव्यापी सड़क नाकेबंदी

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

केन्द्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी चक्का जाम के तहत किसानों ने बृहस्पतिवार को पंजाब और हरियाणा में कई स्थानों पर सड़के अवरुद्ध करते हुए इन कानूनों को वापस लेने की मांग की। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक के इस राष्ट्रव्यापी चक्का जाम का आह्वान अखिल भारतीय किसान संघर्ष समिति ने किया है। विभिन्न संगठनों से संबंध रखने वाले प्रदर्शनकारी किसानों ने कई जगहों पर राजकीय और राष्ट्रीय राजमार्गों को अवरुद्ध किया जिसके चलते यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस दौरान पुलिस ने कई जगहों पर यातायात का मार्ग बदल दिया, फिर भी यात्रियों के मुश्किल का सामना करना पड़ा है।

प्रदर्शनकारियों ने काले कानून लाने के लिये भाजपा नीत केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए आशंका जतायी कि इन कानूनों से कृषक समुदाय बर्बाद हो जाएगा और इनसे केवल बड़े कारोबारी घरानों को ही फायदा पहुंचेगा। पंजाब के किसान संगठनों ने राज्य में मालगाडिय़ों पर रोक लगाने के लिये भी केन्द्र सरकार पर निशाना साधा, जिसके चलते राज्य में कोयले, उर्वरकों और अन्य जरूरी सामानों की आपूर्ति प्रभावित हुई है। भारतीय किसान संघ (एकता उग्रहान) के महासचिव सुखदेव सिंह कोकरीकलां ने कहा कि उन्होंने चक्का जाम प्रदर्शन के तहत संगरूर, बठिंडा, मनसा, बरनाला, पटियाला में 35 जगहों पर सड़कों को अवरुद्ध किया है। भारतीय किसान यूनियन (चरूनी) के अध्यक्ष गुरनाम सिंह ने कहा कि उन्होंने हरियाणा में करनाल, रोहतक, कैथल, जींद, हिसार और फतेहाबाद समेत लगभग 20 जगह प्रदर्शन करने की योजना बनाई है। भठिंडा में एक प्रदर्शनकारी किसान ने कहा कि राज्य में मालगाडिय़ों को निरस्त कर नरेन्द्र मोदी सरकार किसानों के आंदोलन को बदनाम और अस्थिर करना चाहती है।

जल्द ही कोरोना की राजधानी बन जाएगी दिल्ली, गलत रास्ते पर है AAP सरकार : उच्च न्यायालय

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 मरीजों की बढ़ती संख्या पर नाखुशी जताते हुए बृहस्पतिवार को टिप्पणी कि दिल्ली जल्द ही 'देश की कोरोना राजधानी' बन सकती है। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने कहा कि दिल्ली सरकार महामारी के मामले में पूरी तरह से ''गलत'' रास्ते पर चली गई है। पीठ ने कहा कि दिल्ली सरकार नागरिकों के स्वास्थ्य को हल्के में ले रही है और इस मामले को अलग से देखा जाएगा। अदालत ने कहा कि दिल्ली सरकार ने सबसे अधिक जांच करने सहित कई दावे किए हैं, लेकिन कोविड-19 मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। पीठ ने कहा, ''शहर जल्द ही देश की कोरोना राजधानी बन सकता है। इसके लिए तेजी से बढ़ते मामले जिम्मेदार हैं। हम इस मामले को गंभीरता से लेंगे।'' अदालत ने यह टिप्पणी उत्तरी दिल्ली नगर निगम के डॉक्टरों, पैरा मेडिकल स्टाफ, सफाई कर्मचारियों, शिक्षकों, सेवानिवृत्त इंजीनियरों एवं अन्य कर्मचारियों के बकाया वेतन का भुगतान नहीं करने को लेकर दायर की गईं कई याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान की।

आंध्र प्रदेश में स्कूल खुलने के बाद 262 छात्र और 160 शिक्षक कोरोना से संक्रमित

अमरावती। (एजेंसी)।

आंध्र प्रदेश में नौवीं और दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए दो नवंबर को स्कूल पुनः खोल दिए जाने के तीन दिन बाद करीब 262 छात्र और 160 शिक्षक कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। स्कूल शिक्षा आयुक्त वी चिन्ना वीरभद्रुडू ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्कूल आने वाले छात्रों की संख्या की तुलना में संक्रमित छात्रों का आंकड़ा चिंता की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक संस्थान में हालांकि कोविड-19 सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा ''कल (चार नवंबर को) करीब चार लाख छात्र स्कूल पहुंचे। संक्रमित छात्रों की संख्या 262 है, जो चार लाख छात्रों का 0.1 प्रतिशत भी नहीं है। यह कहना सही नहीं है कि स्कूल जाने की वजह से छात्र संक्रमित हुए। हमने सुनिश्चित किया है कि प्रत्येक कक्षा में केवल 15 या 16 छात्र ही उपस्थित रहें। यह चिंता की बात नहीं है।'' विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, राज्य में नौवीं और दसवीं कक्षा के लिए 9.75 लाख विद्यार्थी पंजीकृत हुए हैं। इनमें से 3.93 लाख विद्यार्थी स्कूल आए। कुल 1.11 लाख शिक्षकों में से 99,000 से अधिक शिक्षकों ने शैक्षिक संस्थानों में विद्यार्थियों को पढ़ाया।

वीरभद्रुडू ने बताया कि 1.11 लाख शिक्षकों में से करीब 160 शिक्षक कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि गरीब विद्यार्थी स्कूल बंद होने से सर्वाधिक प्रभावित हुए हैं क्योंकि ऑनलाइन कक्षाएं उनकी पहुंच से बाहर हैं। स्कूल बंद रहने का असर आदिवासी और ग्रामीण इलाकों की छात्राओं पर भी पड़ेगा क्योंकि पढ़ाई रुकने के बाद उनके अभिभावक उनका बाल विवाह भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा ''हमारे लिए विद्यार्थी और शिक्षक, दोनों का ही जीवन महत्वपूर्ण है।'' आंध्र प्रदेश में नौवीं, दसवीं तथा इंटरमीडिएट कक्षाओं के लिए सभी सरकारी स्कूल और कॉलेज दो नवंबर से पुनः खुल गए हैं। कक्षाएं बारी-बारी से तथा आधे दिन के लिए ही लग रही हैं।

योगी बोले- घुसपैठियों को बाहर करेंगे तो नीतीश ने कहा, किसी में दम नहीं

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

विधानसभा चुनाव की लड़ाई के सीमांचल में प्रवेश करते ही बिहार की सियासत में उबाल आ गया है। वो कहते है ना, जिसने कोसी-सीमांचल जीता, उसने बिहार जीता। बिहार चुनाव के आखिरी चरण में इन्हीं क्षेत्रों में मतदान होने है। चुनाव में यह क्षेत्र निर्णायक भूमिका अदा करता है। इस बार भी यह हार-जीत की अंतिम पटकथा लिखने को तैयार है। सीमांचल को साधने के लिए एनडीए और महागठबंधन, दोनों ही तरफ से जोर आजमाइश की जा रही है। अंतिम चरण में जिन 78 सीटों पर मतदान होना है उनमें से आधे से अधिक सीटों पर अल्पसंख्यक मतदाताओं की हिस्सेदारी 40 से 70 फ़ीसदी के बीच है। माना जा रहा है कि यह चरण एनडीए और खास करके भाजपा के लिए थोड़ा चुनौती भरा रह सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने भी ध्रुवीकरण की कोशिश तेज करते है।

मुस्लिम बहुल वाले इस क्षेत्र में भाजपा सीएए और एनआरसी जैसे मुद्दे उठा रही है ताकि ध्रुवीकरण किया जा सके। भाजपा अब सीएए और एनआरसी जैसे मुद्दे को लेकर सीमांचल में आक्रमक हो गई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को लेकर विपक्ष को कठघरे में खड़ा किया। कटिहार में योगी ने दहाड़ लगाते हुए कहा कि एनडीए की सरकार फिर बनते ही चुन-चुनकर घुसपैठियों को बाहर खदेड़ेंगे। हालांकि यहां से कुछ ही दूर किशनगंज में जदयू अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चुनावी सभा कर रहे थे। नीतीश अपने सहयोगी भाजपा के फायर ब्रांड नेता के बातों से सहमत नहीं दिखे। उन्होंने तुरंत कहा कि किसी में दम नहीं कि हमारे लोगों को देश से बाहर कर दे। नीतीश ने आगे कहा कि ये कौन दुष्प्रचार करता रहता है, फालतू बातें कहता रहता है। उन्होंने कहा कि सभी लोग हिन्दुस्तान के हैं, कौन बाहर करेगा? विपक्ष पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए नीतीश ने कहा कि कुछ लोग चाहते हैं कि समाज में झगड़ा चलता रहे और काम करने की जरूरत नहीं हो।

मुस्लिम यादव समीकरण के सहारे बिहार में 15 सालों तक सत्ता में रही लालू यादव की पार्टी और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव सीएए और एनआरसी को लेकर खुलकर बात तो नहीं कर रहे पर इशारों इशारों में कहने की कोशिश जरूर की है। तेजस्वी ने नीतीश पर तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री बीजेपी और आरएसएस की गोद में बैठे हुए हैं। राज्यसभा और लोकसभा में क्या करते हैं, आपको पता है ना। कुछ लोग बाहर के यहां आए हैं, उनकी अच्छे से मेहमान नवाजी कीजिए। अभी एक परेशानी आई थी तो हम और हमारी पार्टी आपके साथ खड़ी थी। तब वह नजर नहीं आए थे। यह वही इलाका है जहां बिहार में सियासी जमीन तलाश रहे हैदराबाद से सांसद और एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी भी मुसलमानों को साधने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं। अपनी हर रैली में सीएएऔर एनआरसी जैसे मुद्दे उठाते है और केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की नीतीश सरकार पर हमला करते है। वह यह भी आरोप लगा रहे है कि बीजेपी और आरएसएस सीमांचल में बसे लोगों को घुसपैठिया कह रही है और आरजेडी तथा कांग्रेस अपना मुंह नहीं खोल रही। आज बिहार चुनाव के तीसरे चरण के लिए प्रचार थम गया। तीसरे चरण में मुकाबला और भी ज्यादा दिलचस्प होने की उम्मीद है। लोजपा की नई रणनीति और सीमांचल में एआईएमआईएम की बढ़ती ताकत ने महागठबंधन और एनडीए के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी है। 2015 की बात करें तो तीसरे चरण की 78 सीटों पर कांग्रेस-राजद-जदयू गठबंधन में एनडीए को करारी शिकस्त दी थी। तब इस गठबंधन को 54 सीटें मिली थी जिनमें जदयू को 23, राजद को 20 और कांग्रेस को 11 । एनडीए की बात करें तो पिछले चुनाव में यहां से उसे 21 सीटें मिली थी जिसमें से भाजपा 20 सीटों पर चुनाव जीती थी जबकि आरएलएसपी के खाते में 1 सीट गई थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)